दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 126 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

परिषदीय स्कूलों में नामांकन ने पकड़ी रफ्तार, 20 दिन में 26 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

उत्तर प्रदेश। स्कूल चलो अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में इस सत्र की शुरुआत से ही नामांकन प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ रही है। अप्रैल के पहले 20 दिनों में ही 8 लाख 79 हजार से अधिक नए बच्चों का दाखिला हो चुका है, जो पिछले सत्र के कुल 34 लाख नामांकन के मुकाबले लगभग 26 प्रतिशत है। प्रदेश के करीब 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में यह अभियान सक्रिय रूप से संचालित हो रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग घर–घर संपर्क, जन–जागरूकता और स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान पर विशेष ध्यान दे रहा है, ताकि हर बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। आंकड़ों के अनुसार कक्षा 1 और कक्षा 6 में नामांकन सबसे तेज़ है। कक्षा 1 में 5 लाख 29 हजार 726 और कक्षा 6 में 2 लाख 73 हजार 621 से अधिक बच्चों का नामांकन दर्ज किया गया है। अन्य कक्षाओं में भी नामांकन लगातार बढ़ रहा है। सरकार का कहना है कि यह उपलब्धि प्रभावी रणनीति और जमीनी स्तर पर मजबूत क्रियान्वयन का परिणाम है। अभियान जुलाई तक जारी रहेगा और शेष लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयास और तेज किए जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में बवाल : मुर्शिदाबाद के नौदा में झड़प, बमबाजी से मची अफरा-तफरी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनाव के दौरान गुरुवार को मुर्शिदाबाद जिले के नौदा क्षेत्र में हिंसा और हंगामे की खबर सामने आई है। मतदान के बीच आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया जा रहा है कि हुमायूं कबीर जब उस इलाके का दौरा कर रहे थे, जहां एक दिन पहले कच्चा बम फेंके जाने की घटना हुई थी, तभी टीएमसी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की और नारेबाजी शुरू हो गई। मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने हस्तक्षेप कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद हुमायूं कबीर धरने पर बैठ गए और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके समर्थकों के साथ मारपीट की और लाठीचार्ज किया, जो गलत है। उन्होंने चुनाव आयोग से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और थाने में नए अधिकारी की तैनाती की मांग की। इसी बीच नौदा विधानसभा क्षेत्र में एक और बड़ी घटना सामने आई, जहां अज्ञात बदमाशों ने अचानक देशी बम से हमला कर दिया। हालांकि यह घटना मतदान केंद्र से कुछ दूरी पर हुई, लेकिन इससे मतदाताओं में दहशत फैल गई। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने जिला

प्रशासन से रिपोर्ट तलब की है और जल्द जांच पूरी कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव : वोटिंग के बीच सुवेंदु अधिकारी का बयान, 'बंगाल बचाने का चुनाव'

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है। इसी बीच सुवेंदु अधिकारी ने बयान देकर सियासी माहौल गर्म कर दिया। नंदीग्राम और भवानीपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने एक हिंदू महिला का हवाला देते हुए कहा कि अगर इस बार बदलाव नहीं हुआ तो "सनातन खत्म हो जाएगा।" उन्होंने दावा किया कि एक शादीशुदा हिंदू महिला उनसे मिलकर रोने लगी और कहा कि अगर ममता बनर्जी फिर सत्ता में आईं तो हालात खराब हो जाएंगे। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि यह चुनाव "बंगाल को बचाने" का चुनाव है और भाजपा सनातन की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की जनता, खासकर महिलाएं, इस बार ममता बनर्जी को जवाब देंगी। मतदान के बाद उन्होंने नंदीग्राम में विभिन्न बूथों का दौरा भी किया। बता दें कि पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। वहीं तमिलनाडु में भी मतदान जारी है, जबकि असम, केरल और पुडुचेरी में वोटिंग पूरी हो चुकी है। सभी पांच राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात : प्रेमिका ने रची साजिश, प्रेमी को जिंदा जलाया

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। यहां एक युवती ने अपने ही प्रेमी को बड़ी ही बेरहमी से जिंदा जलाकर उसकी हत्या कर दी और इस खौफनाक वारदात का वीडियो भी बनाया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवती प्रेरणा (27) और मृतक किरण (27) एक ही टेलीकॉम स्टोर में काम करते थे और पिछले एक साल से दोनों के बीच प्रेम संबंध था। हालांकि, पिछले कुछ समय से दोनों के रिश्तों में तनाव चल रहा था। जांच में सामने आया है कि प्रेरणा को शक था कि किरण उसे नजरअंदाज कर रहा है और उससे शादी नहीं करेगा। इसी नाराजगी और गुस्से में उसने इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया। घटना दक्षिण बेंगलुरु के अंजनापुरा इलाके की है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को प्रेरणा ने किरण को अपने घर बुलाया। घर पर वह उस समय अकेली थी। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य बातचीत हुई, लेकिन इसके बाद प्रेरणा ने 'वेस्टर्न स्टाइल' में प्रपोज करने का

बहाना बनाया। उसने किरण की आंखों पर पट्टी बांध दी और उसे कुर्सी पर बैठाकर बांधने लगी। जब किरण ने इसका विरोध किया, तो उसने उसे भरोसा दिलाया कि यह सरप्राइज प्रपोजल का हिस्सा है। जैसे ही किरण पूरी तरह से बंध गया, प्रेरणा ने अपने असली इरादे सामने ला दिए। उसने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरा किरण तड़पता रहा, लेकिन आरोपी युवती ने उसे बचाने की बजाय पूरी घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। यह दृश्य बेहद भयावह था। घटना के बाद प्रेरणा ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने दावा किया कि वह बाथरूम में थी और अचानक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। बाहर आकर उसने देखा कि किरण आग की चपेट में है। हालांकि, पुलिस को उसकी कहानी पर शक हुआ। जब मौके का निरीक्षण किया गया और सबूत जुटाए गए, तो यह साफ हो गया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और परिस्थितियां साफ तौर पर हत्या की ओर इशारा करती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया गया है और उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हर पहलू से जांच जारी है। इस घटना ने पूरे बेंगलुरु शहर में सनसनी फैला दी है और लोगों के बीच डर और आक्रोश का माहौल है।

'बेडरूम' बयान पर नहीं थमा विवाद, पप्पू यादव का नया बयान –"70–80: नेता देखते हैं पोर्न

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। 'बेडरूम' टिप्पणी पर मचे विवाद के बाद उन्होंने सफाई देते हुए एक और विवादित बयान दे दिया, जिससे सियासी हलचल और तेज हो

गई है। बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने अपने पुराने बयान का बचाव करते हुए कहा कि "70 से 80 प्रतिशत राजनेता पोर्न देखते हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि अगर जांच करनी है तो सभी नेताओं की होनी चाहिए। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनके फोन में भी ऐसा कुछ पाया जाता है, तो उनकी भी जांच की जाए। इससे पहले उन्होंने राजनीति में महिलाओं की स्थिति पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि कई मामलों में महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए "बेडरूम के रास्ते" से गुजरना पड़ता है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि राजनीति में महिलाओं को वह सम्मान नहीं मिलता, जिसकी बात समाज में की जाती है। पप्पू यादव के इन बयानों पर विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। इसे महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बताते हुए उनकी आलोचना की जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। आयोग का कहना है कि इस तरह के बयान महिलाओं की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं। साथ ही यह भी पूछा गया है कि उनके खिलाफ लोकसभा सदस्यता रद्द करने की सिफारिश क्यों न की जाए। इस पूरे मामले ने बिहार की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है और अब सबकी नजर पप्पू यादव के अगले कदम और आयोग की कार्रवाई पर टिकी है।

बंदरिया ने मासूम को बनाया 'कैदी', 2 घंटे तक कब्जा, फिर चला रोमांचक रेस्क्यू ऑपरेशन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। चरथावल थाना क्षेत्र के कस्बा चरथावल में एक बंदरिया ने तीन महीने की मासूम बच्ची को करीब दो घंटे तक अपने कब्जे में रखा, जिससे परिजनों और स्थानीय लोगों में डर और अफरा–तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, तहसीन नाम के व्यक्ति के घर में यह घटना उस समय हुई जब परिवार के लोग सो रहे थे। तभी एक बंदरिया घर में घुस आई और तीन माह की बच्ची कुलसुम को उठाकर अपने कब्जे में ले लिया। जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने बच्ची को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बंदरिया बेहद आक्रामक हो गई। उसने 3–4 लोगों को काटकर घायल भी कर दिया।

स्थिति बिगड़ती देख तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने बच्ची को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बंदरिया के आक्रामक रवैये के कारण सफलता नहीं मिल पाई। इसके बाद पशु प्रेमी संगठनों से संपर्क किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदरिया का व्यवहार भले ही खतरनाक था, लेकिन उसने बच्ची को नुकसान नहीं पहुंचाया। वह उसे अपने बच्चे की तरह पकड़कर बैठी रही। माना जा रहा है कि शायद बंदरिया ने अपना बच्चा खो दिया हो और उसी भावनात्मक जुड़ाव में उसने मासूम को पकड़ लिया। पशु प्रेमी सन्नी और उनकी टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। टीम ने बंदरिया को खाने का लालच देकर और उसका ध्यान भटकाकर बच्ची को छुड़ाने की कोशिश की। बंदरिया बेहद सतर्क थी और जैसे ही कोई बच्ची को छूने की कोशिश करता, वह हमला करने दौड़ पड़ती। आखिरकार सूझबूझ और धैर्य से काम लेते हुए टीम ने बंदरिया का ध्यान भटकाया और सही मौके का फायदा उठाकर बच्ची को सुरक्षित छुड़ा लिया। राहत की बात यह रही कि बच्ची को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस पूरी घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग एक तरफ इस घटना को देखकर हैरान हैं, तो वहीं बच्ची के सुरक्षित बच जाने पर राहत की सांस ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की टिप्पणी से सियासत गरम, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मांगी माफी

मध्य प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित विवादित टिप्पणी के बाद देश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और खरगे से माफी की मांग की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी देश के राजनीतिक माहौल को खराब करती है और विपक्ष को अपनी भाषा पर संयम रखना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी लगातार ऐसी गलतियां कर रही है, जिसका नुकसान उसे खुद उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को अपने अतीत और आचरण पर विचार करने की नसीहत दी। मोहन यादव ने आगे कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान विपक्ष के साथ किए गए व्यवहार के लिए आज तक माफी नहीं मांगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अलगाववादी ताकतों को बढ़ावा दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लेकर इस तरह की टिप्पणी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और भविष्य में ऐसी बयानबाजी से बचें। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है, और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित, छात्राओं का दबदबा कायम

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए। करीब 50 लाख से अधिक छात्रों का लंबा इंतजार खत्म हो गया। बोर्ड मुख्यालय में शाम 4 बजे सभापति डॉ. महेंद्र देव और सचिव भगवती सिंह ने संयुक्त रूप से परिणाम जारी किया। इस वर्ष भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी है। हाईस्कूल में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.76 रहा, जबकि लड़कों का 87.30 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं इंटरमीडिएट में छात्राओं का पास प्रतिशत 86.32 और छात्रों का 75.04 प्रतिशत रहा। कुल परिणाम की बात करें तो हाईस्कूल में 90.42 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए, जबकि इंटरमीडिएट में 80.38 प्रतिशत छात्र–छात्राएं उत्तीर्ण घोषित किए गए। खास बात यह रही कि इस बार परिणाम पिछले साल के मुकाबले दो दिन पहले जारी किए गए। वर्ष 2025 में जहां रिजल्ट 25 अप्रैल को

घोषित हुआ था, वहीं इस बार मूल्यांकन कार्य रिकॉर्ड 20 दिनों में पूरा कर लिया गया। टॉपर्स की सूची में हाईस्कूल में कशिश वर्मा और अंशिका वर्मा ने 97.83 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। अदिति 97.50 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अर्पिता, ऋषभ साहू और परी वर्मा ने 97.33 प्रतिशत अंक पाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट में शिखा वर्मा ने 97.60 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। नंदिनी गुप्ता और श्रिया वर्मा 97.20 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि सुरभि यादव और पूजा पाल ने 97 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। बोर्ड के अनुसार, इस बार परीक्षा नकल–विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई थी। परिणामों में एक बार फिर छात्राओं का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिला है, जो उनकी मेहनत और लगन को दर्शाता है।

जमीनी विवाद में दबंगों ने मारा पीटाः लालगंज पुलिस पर पीड़ित के विरूद्ध मुकदमें का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को दंबगो द्वारा रंजिशन जान से खत्म कर देने और स्थानीय थाने से मिलकर रामसेवक चौधरी के ही ऊपर गलत तथ्यो के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करा दिये जाने के मामले को लेकर लालगंज थाना क्षेत्र के उमरिया उर्फ अमिलहा के नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मामले की जांच और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने की मांग किया। सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी ब्रजेश पटेल, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी के साथ पीड़ितों ने एसपी से मुलाकात किया और घटना की जानकारी देते हुये प्रभावी कार्यवाही का आग्रह किया। एसपी को दिये पत्र में लालगंज थाना क्षेत्र के उमरिया उर्फ अमिलहा निवासी रामसेवक चौधरी पुत्र परशुराम चौधरी ने कहा है कि गत 19 अप्रैल को सायं लगभग 8 बजे वह घर से खेत जा रहा था कि गांव में जमीनी विवाद को लेकर नन्दलाल पुत्र स्वर्गीय महावीर, अमित शुक्ल, अर्जेश शुक्ल पुत्रगण कृष्ण मुरारी निवासी कुरमौल, संदीप, पुत्र जगराम, पंकज पुत्र रामकरन निवासी उमरिया उर्फ अमिलहा लोहे की राड, हाकी, पाईप, से जान से खत्म कर देने की नियत से मारने लगे जिससे उसका सिर बुरी तरह से फट गया और शरीर में कई जगहो पर प्राण घातक चोटे आयी। किसी तरह लोगों के मदद से वह बाजार चौबाह चौराहे पर अंगद यादव मेडिकल में प्राथमिक उपचार करवा रहा था तो वहां भी उक्त

दबंग पहुंच गये और बुरी तरह से मारने–पीटने के बाद धमकी दिया कि अबकी छोड रहे है अगली बार जान से खत्म कर देगें। होश आने पर उसने स्वास्थय केन्द्र बनकटी पहुंच कर दवा कराया और स्थानीय थाने पर शिकायत लेकर गया तब मुल्जिमानो के प्रभाव में आकार पुलिस की मिली भगत से उसके विरूद्ध ही गंभीर धाराओं में मु०अ० 108–26 धारा 109 (2) 191 (2) 352,351, (3), 131, बी०एन०एस मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पत्र दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया था। हालत काफी गंभीर होने के वजह से उसे जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया, स्थिति गंम्भीर होने की वजह से प्रार्थी मेडिकल कालेज (कैली) बस्ती रेफर कर दिया गया। जहां पर उसकी दवा अभी चल रही है और हालत अभी गम्भीर है। लालगंज पुलिस ने दंबगो के विरूद्ध सामान्य धारा में महज कारगुजारी पूरा करने के लिए मुकदमा अ0सं0109–2026 धारा 115(2),351 (3) बी०एन०एस दर्ज कर दिया गया है, ऐसी स्थिति में उसके ऊपर दर्ज मुकदमे की जांच करवाकर निरस्त करने तथा अभियुक्तों के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया जाय। सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी ब्रजेश पटेल, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी के साथ पीड़ितों ने एसपी से मांग किया कि मामले में पीड़ित को न्याय दिलाया जाय। एसपी को पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से इन्द्रजीत चौधरी, जामवंत, आनन्द कुमार सिंहानिया, अखिलेश प्रजापति, शहजाद आलम, अभिषेक कुमार, दिनेश, रीतेश चौधरी, अजय, साहिल, राम सेवक, राकेश कुमार, उमेश, शिवपूजन, रमेश, नन्दलाल, रामनाथ, प्रदीप, राजकुमार, संदीप, आनन्द शर्मा, गुड्डू, बालकेश, इन्द्रजीत, अशोक आदि शामिल रहे।

बलरामपुर में पहलगाम हमले की बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम हमले की प्रथम बरसी के अवसर पर आज जनपद बलरामपुर में कांग्रेस पार्टी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय राय जी की मंशा के अनुरूप आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वीर विनय चौराहा स्थित वीर विनय कायस्थ जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कैंडल जलाकर शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही, शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी सहित एआईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राज बहादुर यादव, प्रतीक मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम शंकर भारती, जिला महासचिव अवधेश पाल सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सियाराम प्रधान, मोहम्मद जमील, अमेरिका कुरील, जिला महासचिव विजय उपाध्याय, आशीष श्रीवास्तव, सोहनलाल शुक्ला, विशाल कश्यप तथा मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान समेत अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने पहलगाम हमले के शहीदों को याद करते हुए कहा कि देश उनकी शहादत को कभी नहीं भूलेगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र की एकता और शांति के संकल्प के साथ हुआ।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- महुलानी, वि.ख.- खेसरहा, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **महुलानी** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, जेसीबी, ट्रैक्टर टॉली किराये पर, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाडू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 27/04/2026 को 03 बजे तक आपूर्ति हेतू निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **महुलानी** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 27/04/2026 को अपराहन 05 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त** :– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़घ्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महुलानी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **महुलानी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

श्रीमती कालिंदी
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–महुलानी
वि.ख. – खेसरहा

संदीप सिंह
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–महुलानी
वि.ख. – खेसरहा

किशोरियों को मानवाधिकार व जेंडर समानता का दिया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार क्षेत्र के पंचायत भवन गोपियापुर में किशोरियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम स्वाभिमान समिति द्वारा किशोरी सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत मानवाधिकार एवं जेंडर समानता विषय पर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कठहा, गोपियापुर, मुड़िला और मुड़िला डीह गांवों की कुल 31 किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं युवाओं में मानवाधिकारों के प्रति समझ विकसित करना और जेंडर समानता को लेकर जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षिका ममता वर्मा ने किया, जबकि प्रसून शुक्ला ने सह–प्रशिक्षक के रूप में सहयोग दिया। सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को मानवाधिकारों के मूल सिद्धांत, लैंगिक भेदभाव, समान अवसर, अधिकारों की रक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में समूह चर्चा, सहभागिता आधारित गतिविधियों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से किशोरियों को विषयों की गहन समझ प्रदान की गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका पर भी विचार–विमर्श किया। इस अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के योगेंद्र मोहन, मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से प्रसून शुक्ला, शुक्ला देवी संस्थान के विष्णु देव कृष्णा मूर्ति, स्वाभिमान समिति के सचिव विनोद कुमार प्रजापति सहित दीपक, जरीना और दिवाकर उपस्थित रहे।

जेई मेंस में आकाश के 43 छात्रों ने हासिल की सफलता

गोरखपुर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड गोरखपुर के छात्रों ने जेई मेंस सेसन दो 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत शैक्षणिक तैयारी और निरंतरता को एक बार फिर साबित किया है। जनपद के 43 छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। अमित कुमार ने 99.44 परसेंटाइल और ऑल इंडिया रैंक 8959 प्राप्त कर संस्था के टॉप स्कोरर बने। इस अवसर पर आकाश के रीजनल डायरेक्टर डी. के. मिश्रा ने कहा, श्देशभर में हमारे छात्रों का प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन और आकाश के मजबूत लर्निंग सिस्टम को दर्शाता है। संरचित शैक्षणिक कार्यक्रमों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ उनके निरंतर प्रयासों ने उन्हें उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने में मदद की है। अमित कुमार के अलावा अन्य प्रमुख छात्रों में कौशिकी पांडेय ने 99.42 परसेंटाइल, शास्मित जायसवाल ने 99.41 परसेंटाइल, अन्ध्रेषा सोनी ने 99.37 परसेंटाइल, यशस्वी मिश्रा ने 99.36 परसेंटाइल, वंशम राज सिंह ने 99.34 परसेंटाइल और दक्ष कश्यप ने 99.31 परसेंटाइल हासिल किए।

जिले के टॉप टेन में उरुवा के सचिन मौर्य को मिला स्थान

उरुवा बाजार, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के घोषित परीक्षाफल में श्री रामरेखा सिंह इण्टर कालेज उरुवा बाजार के हाईस्कूल के छात्र सचिन मौर्य पुत्र दिनेश मौर्य ने जिले में 94ध्प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले के टॉप टेन में स्थान बनाया है ।

इसकी सफलता से जहां विद्यालय में खुशी का माहौल है वहीं पूरे क्षेत्र में लोग बधाई दे रहे हैं ।सचिन मौर्य के कक्षाध्यापक प्रताप जायसवाल ने बताया कि एक किसान परिवार का यह छात्र शुरू से मेधावी था नियमित स्कूल आना अनुशासन में रहकर सभी विषयों को पढ़ना आज उसकी सफलता का परिणाम है ।स्कूल के सभी शिक्षकों कर्मचारियों ने सचिन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

कार्यालय : नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में मुख्यमंत्री नगर सृजन एवं मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित किया जाता है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध हैं, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन/अपलोड की तिथि	23/04/2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	23/04/2026 अपराहन 11.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	13/05/2026 अपराहन 04.00 बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	14/05/2026 प्रातः 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	15/05/2026 प्रातः 11:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक :–128/न०पा०परि०सि०न०/2025–26 | दिनाँक 21/04/2016

तकनीकी नवाचार और रणनीतिक प्रयासों से आसान हो रही टीबी मुक्ति की राह

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में एक समय था जब जागरूकता की कमी और अस्पतालों की दूरी के कारण टीबी की पहचान अक्सर देर से होती थी,जिससे मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती थी और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता था ।दिसंबर 2024 से चल रहे सघन टीबी खोज अभियान के तहत अब स्वास्थ्य टीमें सीधे गांवों में पहुंचकर जोखिम समूहों की मौके पर स्क्रीनिंग कर रही हैं ।इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या और मृत्यु दरकृदोनों में 17दृ17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है ।इसी क्रम में गोंडा सहित प्रदेश के 54 जिलों में चल रहे सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान–2 के तहत गांव स्तर पर विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।एआई तकनीक से लैस पोर्टेबल एक्स–रे मशीनों और मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए ग्रामीणों की मौके पर स्क्रीनिंग, एक्स–रे और जरूरत पड़ने पर बलगम जांच की जा रही है। साथ ही शुगर,बीपी और बीएमआई की निःशुल्क जांच भी की जा रही है, जिससे मरीजों की समय रहते पहचान संभव हो रही है ।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ जय गोविंद के अनुसार 24 मार्च से शुरू हुए अभियान में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, तंबाकू–शराब सेवन करने वालों, मधुमेह रोगियों, कुपोषित बच्चों और पूर्व टीबी मरीजों पर विशेष फोकस किया जा रहा है ।जिले में 456 आरोग्य शिविर लगाने का लक्ष्य निर्धारित है,जिनमें से अब तक 66 शिविर आयोजित कर 5896 लोगों की स्क्रीनिंग, 19453 एआई आधारित एक्स–रे और 1012 बलगम जांच की जा चुकी है। इनमें 179 मरीजों में टीबी की पुष्टि कर उपचार शुरू कराया गया है ।इस बदलाव में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका भी अहम रही है ।मुंजेहना की आशा कार्यकर्ता जामवंती बताती हैं कि गांव में ही शिविर लगने से लोगों को जांच के लिए प्रेरित करना पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है ।मुंजेहना के एक 55 वर्षीय लाभार्थी ने बताया कि लगभग एक महीने से सूखी खांसी होने के बावजूद वे इसे धूम्रपान की सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर रहे थे, लेकिन गांव में ही एक्स–रे सुविधा मिलने से समय पर जांच हो सकी और रिपोर्ट के आधार पर उपचार शुरू किया जाएगा ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतलाल पटेल का कहना है कि चुनौतियां अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं, लेकिन शुरुआती संकेत उत्साहजनक हैं ।तकनीकी नवाचार, सामुदायिक सहयोग और विभाग की सक्रिय रणनीति से टीबी नियंत्रण की दिशा में और बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है।

महिला आरक्षण के समर्थन में जन आक्रोश रैली, हजारों महिलाओं ने बुलंद की आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर एक भव्य "जन आक्रोश रैली" का आयोजन किया गया। यह रैली बीएसए ग्राउंड से नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तक निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रैली का नेतृत्व सांसद जगदंबिका पाल ने किया। इस दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में तख्तियां और नारों के जरिए उन्होंने महिला आरक्षण की मांग को जोरदार तरीके से उठाया। पूरे मार्ग में "नारी शक्ति जिंदाबाद" और "महिला अधिकार हमारा अधिकार" जैसे नारे गूंजते रहे। सभा को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए "नारी शक्ति वंदन" जैसे महत्वपूर्ण विधेयक को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि इस विधेयक को पारित कराने के लिए विशेष प्रयास किए गए, लेकिन विपक्ष के कुछ दलों के विरोध के चलते यह पारित नहीं हो सका।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल एक कानून का नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकार और सम्मान से जुड़ा है। देशभर की महिलाओं में इसको लेकर आक्रोश है, जो इस रैली में साफ दिखाई दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई को लगातार उठाया जाएगा। सांसद ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनसे उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। रैली में जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद माधव, एसपी अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। यह रैली शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई, जिसने महिला सशक्तिकरण और आरक्षण की मांग को मजबूती से सामने रखा।

पेट्रोल पंप पर तेल की किल्लत, ब्लैक में बिक्री के आरोप, लोगों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा क्षेत्र में बांसी–बेलौहा मार्ग स्थित तेलौरा पेट्रोल पंप पर तेल की भारी किल्लत और कालाबाजारी के आरोपों से हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन आम जनता को तेल नहीं मिल पा रहा, जबकि रात के समय बड़े पैमाने पर गैलनों में पेट्रोल–डीजल भरकर ब्लैक में बेचा जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, देर रात 9–10 बजे के बीच पंप पर गैलनों का जमावड़ा लग जाता है और रात 2 बजे से तेल की सप्लाई शुरू कर दी जाती है। सुबह करीब 6 बजे तक गैलनों में तेल भरकर निकाल दिया जाता है, जिसके बाद पंप संचालक तेल खत्म होने की बात कहकर आम लोगों को लौटा देते हैं। आरोप है कि कुछ लोग टी–शर्ट और बोरी में गैलन छिपाकर तेल ले जाते देखे गए हैं। जब स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया और अपने वाहनों में तेल भरने की मांग की, तो विवाद की स्थिति बन गई। आरोप है कि पंप से जुड़े एक युवक ने लाठी लेकर लोगों को डराने की कोशिश भी की। इससे लोगों में और आक्रोश फैल गया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि पेट्रोल–डीजल की कृत्रिम कमी पैदा कर ब्लैक में करीब 200 रुपये प्रति लीटर तक तेल बेचा जा रहा है। वहीं, पंप पर स्थित टैंक खाली होने की बात कही जा रही है, जिससे आम जनता परेशान है। खासकर शादी–विवाह के मौसम में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन और पूर्ति विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 7 साल की सजा, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मिली सफलता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। सिद्धार्थनगर जिले के बांसी क्षेत्र में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी को 7 वर्ष के कठोर कारावास और 40 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई "ऑपरेशन कन्विक्शन" के तहत प्रभावी पैरवी का परिणाम बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2013 में दर्ज इस मामले में आरोपी इरफान पुत्र इदरीश, निवासी मधवापुर काजी थाना बांसी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस और अभियोजन पक्ष ने सशक्त पैरवी की। 23 अप्रैल 2026 को माननीय न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार (एएसजे/विशेष पॉक्सो न्यायालय) ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 376 और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के कठोर कारावास और रू40,000 के जुर्माने से दंडित किया। यह पूरी कार्रवाई अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई। सजा दिलाने में जिला मॉनिटरिंग सेल, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार पाठक और न्यायालय पैरवीकार आरक्षी नसीम अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि "ऑपरेशन कन्विक्शन" के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

जनगणना 2027 की तैयारी शुरू, बांसी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद में जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महामाया पॉलीटेक्निक कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जो देश की विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन का आधार होता है। उन्होंने सभी

पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को निर्देश दिया कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक गणना कर्मी की जिम्मेदारी है कि वह घर–घर जाकर सटीक और सही जानकारी एकत्रित करे, ताकि शासन को विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें। जनगणना दो चरणों में कराई जाएगीकृपहले चरण में मकान गणना और दूसरे चरण में जनगणना होगी। 7 मई से 21 मई 2026 तक ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी, जिसमें नागरिक स्वयं अपनी जानकारी भर सकेंगे। इसके बाद प्रगणक इन जानकारियों को पोर्टल पर सत्यापित और संकलित करेंगे। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। कार्यक्रम मेंअपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गौरव श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम का पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण, कालाबाजारी पर सख्त चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद में पेट्रोल–डीजल की किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतों के बीच जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने विभिन्न पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए पंप संचालकों को कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनपद में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई चेन पूरी तरह सुचारु रूप से चल रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और लाइन में लगकर अपने वाहनों में ईंधन भरवाएं। पेट्रोल पंप संचालकों और प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि पेट्रोल–डीजल का वितरण पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुसार किया जाए। किसी भी स्थिति में जमाखोरी, कालाबाजारी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही ईंधन उपलब्ध कराया जाए। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत मिलती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

खेसराहा पुलिस की कार्रवाई : 18 पैकेट देशी शराब 'बंटी बबली' के साथ एक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसराहा। सिद्धार्थनगर जनपद के खेसराहा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 18 पैकेट देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई। जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल को उप निरीक्षक अंगद कुमार प्रेमी, कांस्टेबल रतनदीप गांड और कांस्टेबल कमलेश सिंह क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सकारपार चौकी क्षेत्र के बंजरहा मोड़ की तरफ एक व्यक्ति संदिग्ध सामान के साथ मौजूद है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने जब संदिग्ध व्यक्ति को रोका और पूछताछ की, तो उसने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र रामनयन लोध निवासी ग्राम बंजरहा बुजुर्ग, थाना खेसराहा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद झोले से 18 अदद टेट्रा पैक देशी शराब 'बंटी बबली' बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया। हालांकि मौके पर जमानतदार आने के बाद अभियुक्त को जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'बेनाम' डंपरों का आतंक : आधी रात हाईवे पर मौत की रफ्तार, संरक्षित क्षेत्र में अवैध खनन जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद में अवैध खनन और मिट्टी के परिवहन का संगठित खेल बेखौफ तरीके से जारी है। सदर तहसील के अलीगढ़वा–बर्डपुर मार्ग पर आधी रात बिना नंबर प्लेट के डंपरों की तेज रफ्तार प्रशासनिक दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। 21 अप्रैल 2026 की रात करीब 11रू26 बजे स्टेट हाईवे–5 पर बर्डपुर नंबर 1 और पचंगवा के पास ऐसे कई डंपर देखे गए, जो बिना नंबर प्लेट के तेज गति से दौड़ रहे थे। यह न सिर्फ मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि किसी संभावित हादसे के बाद पहचान छिपाने की आशंका भी पैदा करता है। इस पूरी घटना के दृश्य जीपीएस कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, गेनवरिया क्षेत्र के आसपास पिछले कई दिनों से अवैध खुदाई का सिलसिला जारी है। यह गतिविधि न केवल पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी है, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों में इसको लेकर भारी आक्रोश और डर का माहौल है। लोगों का कहना है कि रात के समय इन भारी डंपरों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि सड़क पर निकलना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर ये 'बेनाम' डंपर किसके संरक्षण में खुलेआम दौड़ रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं दिख रही। पुलिस विभाग से संपर्क करने पर कोई ठोस जवाब नहीं मिला, जबकि खनन विभाग ने सीमित खुदाई की अनुमति का हवाला देते हुए जांच की बात कही है। वहीं परिवहन विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीर बताते हुए रात में विशेष चेकिंग अभियान चलाने और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़ा सवाल यही है कि जब बिना नंबर प्लेट के डंपर खुलेआम सड़कों पर दौड़ रहे हैं और संरक्षित क्षेत्र के पास अवैध खनन हो रहा है, तो क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर इसके पीछे किसी बड़े संरक्षण का खेल चल रहा है।

श्री सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज सिद्धार्थ नगर के छात्रा अनुष्का कसौधन पुत्री आजाद गुप्ता ने हाईस्कूल में 92.33 ध अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय व जिले का नाम रोशन की है। विद्यालय के प्रबंधक संजय सिंह प्रधानाचार्य विनय अनमोल के साथ–साथ समस्त विद्यालय परिवार ने बधाई देते हुए उसके के उज्ज्वल भविष्य की कामना किए हैं।

ग्राम विकास अधिकारी पर गिरी निलंबन की गाज, अनियमितता के आरोप में हुई कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया विकास खंड में तैनात ग्राम विकास अधिकारी (VDO) सुबाष चंद्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में संदिग्ध भूमिका निभाने और जांच के लिए आवश्यक अभिलेख उपलब्ध न कराने का गंभीर आरोप है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत हरैया, विकास खंड जोगिया निवासी कपिलदेव पुत्र मोलहू द्वारा 18 फरवरी 2026 को एक शिकायती पत्र सौंपा गया था। इस मामले की जांच के लिए संबंधित अभिलेखों की मांग की गई थी, परंतु आरोप है कि ग्राम विकास अधिकारी सुबाष चंद्र ने जांच अधिकारी/जिला उद्यान अधिकारी, सिद्धार्थनगर को निर्धारित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए। इस लापरवाही और संदिग्ध भूमिका को श्उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन का आदेश जारी किया गया है। घनिलंबन की अवधि के दौरान सुबाष चंद्र, खंड विकास अधिकारी, नौगढ़, सिद्धार्थनगर के कार्यालय से संबद्ध रहेंगे। घनिलंबन अवधि में उन्हें वित्तीय नियमों के अनुसार नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा, बशर्ते वह इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि वे किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार या व्यवसाय में संलग्न नहीं हैं। घ्मामले की गहन जांच के लिए खंड विकास अधिकारी, नौगढ़, सिद्धार्थनगर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। घ्प्रशासन के इस कड़े रुख से क्षेत्र के विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

हज एक रूहानी सफर : अल्लामा अल्वी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। हज मोमिन की ज़िंदगी का सबसे बरकत वाला, नूरानी और अज़ीम तरीन सफर है जो रूह की पाकीज़गी और क़ुर्ब–ए–इलाही का सबसे बड़ा ज़रिया है। यह बातें बरॉंव शरीफ़ के मशहूर तालीमी इदारा दारुल उलूम फैजुर्रसूल के प्रबंधक अल्लामा गुलाम अब्दुल कादिर अल्वी ने कहीं। दारुल उलूम बरांव शरीफ़ के नायब मैनेजर पीर मोहम्मद आसिफ अल्वी के हज पर रवाना होने के मौके पर आयोजित दीनी और इस्लाही प्रोग्राम में बोलते हुए अल्लामा अल्वी ने हज के मुक़द्दस सफ़र की अज़मत बयान करते हुए सभी को नेकी और भलाई के रास्ते पर चलने की हिदायत दी। इस दौरान कारी मुनव्वर अली जियाई ने अपनी दिलनशीं आवाज़ में मदीने जा रहे हैं नज़्म पेश कर सभी की दुआएं हासिल कीं। हज के लिए रवाना होने से पहले हज़रत पीर मुफ़्ती मुहम्मद आसिफ अलवी अज़हरी ने उलमा और तलबा से अलविदाई ख़िताब करते हुए सभी की दुआएं हासिल कीं। सैकड़ों अकीदतमंद तक़रीबन दो किलोमीटर तक पैदल चलकर अल्लामा आसिफ़ अल्वी को हज के लिए रुख़्सत किए और पूरे रास्ते गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करते रहे।

श्री सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज सिद्धार्थ नगर के छात्र अंकुश गुप्ता पुत्र जगदीश गुप्ता निवासी मदनपुर उसका बाजार ने इंटर में 422 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । जेईई मेंस 2026 की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 97. 99 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया है। अनुराग कुमार यादव 81.6ध , ।तबीपजं ने 80.6ध अंक प्राप्त किए हैं । विद्यालय के प्रबंधक संजय सिंह प्रधानाचार्य विनय अनमोल के साथ–साथ विद्यालय परिवार ने बधाई देते हुए उसके के उज्ज्वल भविष्य की कामना किए हैं।

सम्पादकीय

बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतरू वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के ...

लू के थपेड़ों से जन–जीवन पर तपिश

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में प्री–मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतरू वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार–बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल–फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि जल्दी बारिश न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

डिजिटल निमंत्रण में नहीं रिश्तों की धड़कन

पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी– हल्दी–रोली की, घर के आंगन की। अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे–संवरे पर बे–नूर। तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना जरूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था। कभी शादियों के निमंत्रण द्वार पर दस्तक के साथ आते थे। मुस्कान के साथ और दो घूंट चाय के साथ। रिश्ते लिफाफे में नहीं, आंखों की गर्माहट में रखे जाते थे। सगाई, मेहंदी, लेडीज संगीत– हर बुलावा अपने साथ एक छोटा–सा उत्सव लेकर आता था। घर के बड़े–बुजुर्ग नाम पढ़ते–पढ़ते ठहर जाते, अक्षरों को सहलाते जैसे कागज नहीं बल्कि अपनेपन को छू रहे हों। कार्ड से क्लिक तक का सफर– जहां निमंत्रण आधुनिक तो हुआ पर अपनापन कहीं पीछे छूट गया। अब निमंत्रण नहीं आता, एक लिंक आता है। डाउनलोड और दो सेकंड में सीन कर दीजिए। क्या समय आ गया है कि रिश्तों का तापमान अब पीडीएफ में नापा जा रहा है। पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी– हल्दी–रोली की, घर के आंगन की। अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे–संवरे पर बे–नूर। तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना जरूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था। अब संदेश में लिखा रहता है– योर प्रेजेंस विल बी एप्रीशियेटिड। हम भी उसी औपचारिकता से जवाब दे देते हैं कि नोटेड, कोशिश करेंगे। पहले बुलावे में मिठास होती थी, अब बस मैसेज में मिठाई का इमोजी रह गया है। और लोग समझ लेते हैं कि मुंह मीठा हो लिया! सच तो यह है कि हम निमंत्रण नहीं, नोटिफिकेशन पाने लगे हैं। न रिश्ता खुलता है, न बात बढ़ती है। बस एक टिक, दो टिक और फिर चुप्पी। क्यों न कभी–कभी फिर से पुराने ढंग से बुलाएं, दरवाजे पर जाकर दस्तक दें और नाम लेकर कहें कि आपका आना हमारे लिए जरूरी है क्योंकि शादी सिर्फ कार्यक्रम नहीं, रिश्तों का उत्सव है और उत्सव क्लिक से नहीं, कदमों से आते हैं। निमंत्रण कागज का हो या स्क्रीन का, उसमें अगर दिल नहीं तो वह सिर्फ सूचना है, संबंध नहीं। पहले शादी–ब्याह केवल एक परिवार का कार्यक्रम नहीं होता था, वह पूरे गली–मोहल्ले का उत्सव बन जाता था। बान, हल्दी, भात, रतजगा आदि हर रस्म पर अलग से बुलावा जाता था। यह चाह होती थी कि पड़ोसी–रिश्तेदार सगे–संबंधी सब शामिल हों। यह बदलाव केवल माध्यम का नहीं, मिजाज का है। हम सुविधा के इतने आदी हो गए हैं कि संवाद बोझ लगने लगा है। हमने निमंत्रण को इतना डिजिटल कर दिया कि उसमें से दिल ही निकल गया। तब समारोह तारीख भर नहीं रिश्तों की साझी धड़कन हुआ करते।

कच्ची पर्ची पर रोक से किसानों को राहत की पहल

लेकिन बिचौलिए आढ़ती मिलीभगत से तय नियमों का उल्लंघन करके मनी लश्वन्ड्रिंग धंधे द्धकिसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देना आदि में लगे हुए हैं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम द्धपीएमएलएत्रः, 2002 में काले धन को वैध बनाने से रोकने के लिए इन अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति जब्त करने और इनमें शामिल लोगों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है...

हरियाणा की कृषि मंडियों में अनेक आढ़ती तय नियमों का उल्लंघन कर किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देते रहे व बीज–उर्वरक–कृषि रसायन आदि बेचते रहे हैं। इस संबंधी हाईकोर्ट के फैसले पर अमल के बाद इस कथित मनी लॉन्ड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगा है। जिससे वर्षों से जारी किसानों के साथ अन्याय पर रोक लगेगी। कृषि लागत और मूल्य आयोग और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में अधिकांश समय, फसल उपज की कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार के स्तर और समर्थन मूल्य से नीचे बनी रहीं और बिचौलिए आढ़तियों द्वारा शोषण के कारण कृषि उपज वस्तुओं के अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। यह हिस्सा फसल और बाजार के आधार पर 28 से 78 प्रतिशत के बीच है। ये चिंताजनक आंकड़े मंडी व्यवस्था में मूलभूत नीतिगत सुधारों की आवश्यकता दर्शाते हैं। हरियाणा की कृषि उपज मंडियों में बिचौलिए आढ़तियों के शोषण से किसानों को मुक्त करने के लिए, लागू किए गए फसल बिक्री पर धनराशि किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित करने जैसे नीतिगत सुधारों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं। फसल बिक्री से किसानों को मिलने वाली राशि पर आढ़तियों की पकड़ ढीली हुई है। आढ़तियों की कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। जिसके चलते 1 अप्रैल

2026 को प्रदेश की मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बन्द करने और उपज बिक्री–तुलाई के तुरंत बाद कानूनी रसीद जे–फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार, अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगने से, प्रदेश के किसानों को 30–40 प्रतिशत यानि गेहूं–धान फसल चक्र में 25–30 हजार रुपये प्रति एकड़ ज्यादा सालाना लाभ होगा। इस फैसले को किसान हित में महत्वपूर्ण कृषि विपणन सुधार माना जा रहा है। हरियाणा की मंडियों में लगभग 16 करोड़ क्विंटल खाद्यान्न, 1.5 करोड़ क्विंटल तिलहन, एक करोड़ क्विंटल दलहन और 12–15 लाख बेल कपास आदि फसल उपज का वार्षिक विपणन होता है । इन सबका मौजूदा समर्थन मूल्य लगभग 70,000 करोड़ रुपये वार्षिक है। गौरतलब है कि मार्च–2022 से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकार–क्षेत्र में 114 मुख्य मंडियों और कुल 376 उप–मंडियोंः खरीद केन्द्रों का विशाल नेटवर्क है, जिसमें लगभग 40 हजार आढ़ती कार्यरत हैं। इन्हें विभिन्न फसलों की बिक्री पर 2 से 2.5 प्रतिशत कमीशन (आढ़त) मिलता है। जो लगभग 1400 करोड़ रुपये वार्षिक बनता है। ऐसे में प्रत्येक आढ़ती को औसत 3–4 लाख रुपये वार्षिक आढ़त बनती है। जो प्रदेश में कुशल श्रमिक के वार्षिक वेतन से भी कम है। निस्संदेह, प्रदेश की कृषि मंडियों में आढ़तियों की संख्या जरूरत से ज्यादा होने के कारण, वैध आढ़त का धंधा लाभप्रद नहीं रहा। ऐसे में कुछ आढ़तियों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए कच्ची पर्ची व्यवस्था, मनी लॉन्ड्रिंग व नकली बीज–खाद–दवाई बेचने जैसे अवैध धन्धे अपना लिये। वहीं तन्त्र के कुछ भ्रष्ट लोगों की मिलीभगत से किसानों का शोषण और सरकारी धन का गबन करते रहे हैं। आढ़तियों ने कृषि उपज विपणन कमेटी एक्ट–1961 रूल्स–1962 का उल्लंघन कर कच्ची पर्ची सिस्टम से वर्ष–2025 में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में सरकारी धन के गबन को अंजाम दिया। जिसकी राज्य सरकार विभिन्न स्तर पर जांच कर रही है। जबकि किसान संगठन और राजनीतिक दलों के नेता आढ़तियों द्वारा किये गये कथित घोटाले की विस्तृत जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग कर रहे हैं। कथित तौर पर यह सरकारी धन आढ़तियों के जरिये काले धन में प्रवर्तित किया गया। हरियाणा राज्य कृषि उपज विपणन कमेटी अधिनियम के तहत राज्य कृषि उपज विपणन बोर्ड मंडियों में कृषि उपज की खरीद–फरोख्त करने के लिए कमीशन एजेंट को आढ़त का लाइसेंस देता है जो सरकार के दिशानिर्देश अनुसार व्यापार करने को कानूनी तौर पर बाध्य हैं।

कांशी राम की विरासत हासिल करने की जुगत

लिहाजा 1995 में उन्होंने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला और वह चार बार राज्य की मुख्यमंत्री रहीं 1995, 1997, 2002–2003 तथा 2007–2012 तक। पहली तीन बार वह भाजपा के बाहरी समर्थन से मुख्यमंत्री रहीं जबकि 2007–2012 तक शुद्ध बसपा की बदौलत। तीन बार सांसद होने के बावजूद कांशी राम का मन संसद में नहीं रमता था और सांसद के तौर पर उनका योगदान अधिक नहीं रहा...

राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। पिछले दिनों लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम को 'सामाजिक न्याय का योद्धा' और 'सशक्तीकरण का प्रतीक' बताते हुए उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिए जाने की मांग की। इस आशय का एक पत्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखकर उन्हें सम्मानित करने के लिए कहा। यह मांग राहुल गांधी ने लखनऊ में 15 मार्च, 2026 को कांशी राम के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए की। राहुल गांधी ने उनकी विचारधारा की प्रशंसा की और कांग्रेस की पिछली गलतियों को स्वीकार करते हुए उनके संघर्ष को याद किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कांशी राम को एक ऐसे नेता के तौर पर स्मरण किया जिन्होंने दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए अपने जीवन में कभी समझौता नहीं किया। यहां तक तो ठीक है लेकिन राहुल गांधी ने यह कहकर कि अगर नेहरू जी जीवित होते तो कांशी राम कांग्रेस के मुख्यमंत्री बनते, उनके कद को छोटा करने का प्रयास किया है। उधर दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलित

वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशी राम का सम्मान नहीं किया। इस कदम को 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलित मतदाताओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस इस कदम के जरिये दलित वोट बैंक को फिर से अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने पूछा कि जब कांशी राम का निधन हुआ था तब कांग्रेस ने एक दिन का शोक तक नहीं मनाया था और वह अब किस मुंह से उन्हें 'भारत रत्न' देने की मांग कर रही है। मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलितों के प्रति कांग्रेस का दिखावा बताया और कांशी राम की विरासत को हथियाने का प्रयास करार दिया। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। राहुल गांधी आज स्वीकार करते हैं कि वह कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में समझते हैं और इसीलिए वह लोकसभा के भीतर और बाहर भी दलितों, शोषितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों के अधिकारों जैसे मुद्दे खूब उठाते रहते हैं। संभव है वह यह साबित करना चाहते हों कि कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में वही समझते हैं और इन वर्गों की बदहाली का मुद्दा उठाते रहते हैं। राहुल गांधी का यह मानना है कि वह बसपा को हड़पने का कोई इरादा नहीं रखते बल्कि कांशी राम की सोच और विचारधारा का विस्तार कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा के नतीजे इसका स्पष्ट संकेत देते हैं। दलितों, शोषितों और पिछड़ा वर्ग ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन को तरजीह दी थी। जिसके चलते बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। कभी बसपा के लोकसभा में 14 सांसद थे। यह बात 1999 की है, तब बसपा के सुप्रीमो कांशी राम थे। कांशी राम से मेरी बीसियों मुलकातें हैं। उनके जुनून को मैंने नजदीक से देखा है। उन्हें दिल्ली के रेहगड़पुरा (करोलबाग के पास) एक छोटे से कमरे में भी देखा है और हुमायूं रोड वाले सांसदों के बंगले में देखा। उनके रहन–सहन में कोई फर्क नहीं दिखा। वह जैसे सीधे–साधे, साफगो इंसान पहले थे, यहां भी वैसे ही दिखे। फिर कांशी राम को 1971 में अखिल भारतीय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के शिक्षित सदस्यों से बने संगठन 'बामसेफ', 1981 में दलित, शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएस4) के निर्माण करते देखा, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारी संस्थाएं न तो धार्मिक हैं और न ही राजनीतिक और न ही हमारा उद्देश्य आंदोलन करना है बल्कि हमारा यह सामाजिक संगठन है। उस समय उनका नारा थाकृ'ब्राह्मण, ठाकुर, बनिया छोड़, बाकी सब डीएस4'। इसके माध्यम से दलितों, शोषितों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच चेतना जगाई और उनकी सहायता से जगह जगह छितरे मतों का एकीकरण करने का काम किया। अभी तक ये सभी मत थोक भाव से कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों के बीच विभाजित हो जाया करते थे। लिहाजा 1984 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की और नारा दिया 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी'। 1984 में निर्मित बसपा के संस्थापक कांशी राम छत्तीसगढ़ के जांजगीर से लोकसभा के चुनावी मैदान में कूदे और हार गए। 1988 और 1989 का चुनाव हारने के बाद कांशी राम ने कहा था कि 'बसपा पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा नजर में आने के लिए और तीसरा जीत दर्ज करने के लिए लड़ती है।' कांशी राम 1991 में इटावा और 1996 में होशियारपुर से लोकसभा के चुनाव जीते और 1998–2004 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। इन चुनाव परिणामों से राजनीति में बसपा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो गया। अब पार्टी के लोग कांशी राम को 'मान्यवर', 'साहब कांशी राम', 'बहुजन नायक कांशी राम' आदि से संबोधित करने लगे थे। इसी प्रकार मायावती ने 1989 में बिजनौर से भारी मतों से लोकसभा का चुनाव जीत कर बसपा की धाक जमा दी। लेकिन कांशी राम ने मायावती का कार्य क्षेत्र उत्तरप्रदेश तक ही सीमित रखा।

ओलंपिक खेलों के लिए क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास, आईसीसी के सीईओ ने दी अहम जानकारी

क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट फैंस काफी उत्साहित हैं। वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने इसे लेकर अब बड़ी जानकारी दी है। दरअसल, संजोग गुप्ता ने बताया है कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के होम ग्राउंड पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार 23 अप्रैल को शिलान्यास होगा। बता दें कि, लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स आईपीएल की केकेआर फ्रेंचाइजी की सिस्टर फ्रेंचाइजी है। इस दौरान संजोग गुप्ता ने कहा कि, ये इतिहास का एक अहम पल है क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं वह सिर्फ एक क्रिकेट

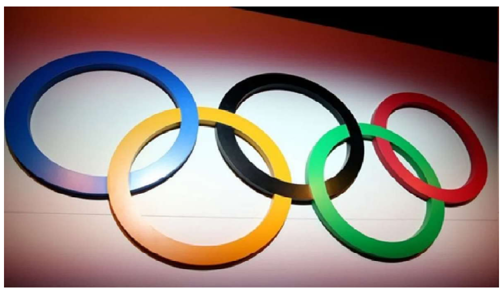

मैदान नहीं है। हम एक वादे की नींव रख रहे हैं। एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में 128 साल लगे। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट को लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है और गुप्तान ने कहा है कि इससे इस खेल के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। उन्होंने कहा कि, दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। जब अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी दी तो ये केवल घोषणा मात्र नहीं थी। इससे इस बात का पता चलता है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं। संजोग गुप्ता ने पोमोना स्थिति क्रिकेट स्थल का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी विरासत इसे क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। उन्होंने कहा कि इस वादे को पूरा करने के लिए पोमोना से बेहतर किसी अन्य जगह के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता। खेल जगत में सबसे अच्छी चीजें तब होती हैं जब महत्वाकांक्षा और समुदाय का मिलन होता है। पोमोना में ये दोनों ही मौजूद हैं। ये स्थल अब एक ऐसे खेल की मेजबानी करेगा जो अपने मूल में ही समुदाय से जुड़ा हुआ है।

जसप्रीत बुमराह के लिए बीसीसीआई बना रहा है स्पेशल प्लान, बीजीटी से पहले वनडे सीरीज से मिलेगा आराम

टीम इंडिया और दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अक्सर अपनी शानदार गेंदबाजी के साथ वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए भी चर्चाओं में रहते हैं। सफेद गेंद क्रिकेट में वह अक्सर नियमित तौर पर दिखते हैं लेकिन टेस्ट मैचों में वह बाहर ही रहते हैं। क्योंकि, बीसीसीआई इस बात का खासा ध्यान रखता है कि टेस्ट मैचों के कारण बुमराह का वर्कलोड ज्यादा न हो जाए। उनके अनोखे गेंदबाजी एक्शन के कारण से उनके शरीर पर ज्यादा दबाव पड़ता है। हालांकि, अब बीसीसीआई ने उनके लिए एक

खास प्लान तैयार करना शुरू कर दिया है।

बीसीसीआई ने जसप्रीत बुमराह के लिए वर्ल्ड टेस्ट चौंपियशिप और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के प्लान बनाना शुरू कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड चाहता है कि बुमराह मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल के सभी टेस्ट मैच खेलें। इस दौरान भारत को कुल 9 टेस्ट मैच खेलने हैं।

बता दें कि, भारत की झोली में ॅज्ब् की ट्रॉफी को छोड़कर सभी ट्रॉफियां हैं। जिस कारण टीम और बोर्ड को इसकी चाहत बनी रहती है। अब इस ट्रॉफी को भी अपनी झोली में लाने के लिए टीम इंडिया के ब्रह्मास्त्र बुमराह को हर टेस्ट में खिलाने का प्लान बना रहा है। जिसके लिए उन्हें कुछ वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है।

आईपीएल 2026 के बाद भारतीय टीम 6 जून से चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगी लेकिन वह डब्ल्यूटीसी के साइकल में नहीं है। उसके बाद भारत को इस साल श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ भी 2–2 टेस्ट मैच खेलने हैं। अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे पर आएगी और दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैच की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस साल भले ही 2027 के वनडे वर्ल्ड कप को लेकर शोर रहेगा लेकिन भारत की प्राथमिकता मौजूदा **WTC** साइकल में टीम की उम्मीदों को जिंदा करने पर रहेगा। फिलहाल टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप की रैंकिंग में काफी नीचे 6 नंबर पर मौजूद है।

अशांत दुनिया में स्थिरता का संदेश! एस. जयशंकर बोले– भारत–अफ्रीका पार्टनरशिप देगी दुनिया को दिशा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक भू–राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत–अफ्रीका साझेदारी का विशेष महत्व हैय यह एक अशांत दुनिया में स्थिरता और विश्वसनीयता का संदेश देती है। आगामी भारत–अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन–IV (**IAFS-IV**) के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के मौके पर बोलते हुए, जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि ये दोनों क्षेत्र केवल विकास भागीदार ही नहीं हैं, बल्कि एक बेहतर दुनिया बनाने में भी भागीदार हैं। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कई संघर्षों से जूझ रहा है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में चल रहा संकट, जिसे 50 दिन से अधिक हो चुके हैं और जिसके वैश्विक स्तर पर दूरगामी परिणाम लगातार सामने आ रहे हैं।

इस कार्यक्रम में जिसमें पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के राजदूतों और राजनयिकों ने हिस्सा लिया, आधिकारिक लोगो का अनावरण किया गया। इसमें भारत और अफ्रीका के आपस में जुड़े हुए नक्शों के ऊपर एक शेर बना हुआ है, जो श्स्थायी साझेदारी, साझा दृष्टिकोणश (**Enduring Partnership, Shared Vision**) की थीम और शिखर सम्मेलन की तारीख 28–31 जनवरी को दर्शाता है। जयशंकर ने आगामी शिखर सम्मेलन को हमारे जुड़ाव को और गहरा करने तथा एक ऐसी साझेदारी के लिए ढांचा तैयार करने का अद्वितीय अवसर बताया, जो अधिक महत्वाकांक्षी, अधिक समावेशी और अधिक भविष्य–उन्मुख हो। इस

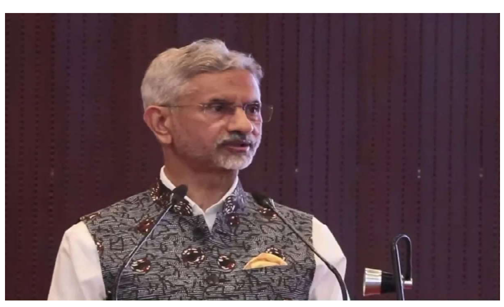

गठबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे दुनिया जटिल भू–राजनीतिक और भू–आर्थिक चुनौतियों से गुजर रही है, यह सहयोग अस्थिर दुनिया में स्थिरता का अनिश्चित दुनिया में विश्वसनीयता और कठिन समय में एकजुटता का संदेश बनकर उभरेगा।

मंत्री ने आगे बताया कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का इस समय केंद्रीय स्थान है। यह जुड़ाव ष्समानता के सिद्धांत, आपसी सम्मान और सामूहिक प्रगति पर आधारित एक दृष्टिकोण से निर्देशित है। भारत ने इस महाद्वीप पर अपनी राजनयिक उपस्थिति को काफी मजबूत किया हैय हाल के वर्षों में 17 नए मिशन खोलकर इनकी कुल संख्या 46 तक पहुँचा दी है। जयशंकर ने कहा कि यह विस्तार भारत–अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के ढांचे द्वारा संचालित दीर्घकालिक साझेदारी का अगला अध्याय है। ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि यह रिश्ता हमारी सभ्यतागत कड़ियों में निहित हैष् और सदियों के सांस्कृतिक तथा मानवीय आदान–प्रदान से बना है। उन्होंने आगे कहा कि ये बंधन तब और भी मजबूत हुए जब भारत ने उपनिवेशवाद के विरुद्ध अफ्रीकी राष्ट्रों के संघर्ष में उनके साथ एकजुटता दिखाई।

दोनों क्षेत्रों के स्वतंत्रता आंदोलनों के बीच समानताएं बताते हुए, जयशंकर ने कहा कि संघर्ष, एकजुटता, जुझारूपन और आकांक्षाओं का साझा इतिहास हमारी साझेदारी को लगातार आकार दे रहा है। उन्होंने बताया कि भारत काषविकसित भारत 2047 विजन और अफ्रीका का एजेंडा 2063 पूरक रोडमैप के तौर पर काम करते हैं, जिनका मकसद सतत और समावेशी विकास के जरिए समृद्धि हासिल करना है। मंत्री ने अफ्रीका को वैश्विक शासन में उसका सही स्थान दिलाने के लिए भारत की लगातार वकालत को भी रेखांकित कियाय उन्होंने इस दिशा में एक ष्अहम कदमष के तौर पर भारत की 2023 की अध्यक्षता के दौरान ळ20 में अफ्रीकी संघ को शामिल किए जाने का जिक्र किया। जयशंकर के अनुसार, इस कदम से यह ष्पक्का विश्वासष झलकता है कि आने वाले समय में ष्लोबल साउथ की आवाजों को वैश्विक शासन को आकार देना चाहिए।

सीएसके के इस खिलाड़ी पर टूटा दुखों का पहाड़, मां का हुआ निधन, चेन्नई के लिए ले चुके हैं 19 विकेट

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी की मां का निधन हो गया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने एक्स पर इसकी जानकाकरी दी है। आईपीएल

2022 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू करने वाले मुकेश ने अबतक 19 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2026 में वह चेन्नई सुपर के लिए केवल एक ही मैच खेले हैं। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में मौका मिला और उन्होंने 2 विकेट अपने नाम किए थे। मुकेश ने ट्रेविस हेड और ईशान किशन को आउट किया था। उन्होंने 2 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट झटके थे। चोटिल खलील अहमद की जगह उन्हें मौका मिला था। माता के निधन के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकेश खेलने के लिए उपलब्ध ा होंगे या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिली है।

नई पीढ़ी को नैतिक मूल्यों को आत्मसात करना जरूरीः कुलपति

जौनपुर । राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हुआ। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार का विषय भारत में लोकतांत्रिक समावेशिता के 75 वर्ष था। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक समावेशिता के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समाज का अपने मूल्यों और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्र का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक वातावरण को आत्मसात करे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सेमिनार के मुख्य वक्ता आर्य कन्या पीजी महाविद्यालय, वाराणसी के प्रो. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने अर्थशास्त्री एडम स्मिथ की पुस्तक श्वेल्थ ऑफ नेशन्सश् का उल्लेख किया। उन्होंने वर्तमान वैश्विक आर्थिक असमानता पर चिंता जताते हुए कहा कि विश्व की लगभग 90 प्रतिशत संपत्ति केवल एक प्रतिशत लोगों के पास केंद्रित है, जो समावेशी लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आर. के. मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतांत्रिक समावेशिता तभी सार्थक होगी जब स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगे। आयोजन सचिव प्रो. जय कुमार मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि समावेशिता ही लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह ने किया।

काठमांडू में जहरीली हुई हवा, **AQI** 247 के साथ दुनिया का दूसरा सबसे **Polluted** शहर बना

IQAir द्वारा जारी डेटा के अनुसार, पिछले 24 घंटों में काठमांडू में हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई है, और यह शहर दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। काठमांडू में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 247 दर्ज किया गया, जो

इसे पाकिस्तान के लाहौर से ठीक पीछे रखता हैय लाहौर 381 के **AQI** के साथ वैश्विक सूची में शीर्ष पर रहा। 200 से ऊपर का AQI स्तर बहुत अस्वस्थ माना जाता है और आम जनता के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम पैदा करता है।

PM2.5 का तात्पर्य हवा में मौजूद उन कणों (ठोस या तरल बूंदों) से है जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर से कम होता है। यह सबसे खतरनाक प्रदूषकों में से एक है जो नाक और गले से होते हुए फेफड़ों और यहाँ तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर सकता है। PM2.5 के कण छोटे होते हैं और हवा में लंबे समय तक निलंबित रहने की संभावना रखते हैं, जिससे लोगों द्वारा उन्हें साँस के साथ अंदर लेने की संभावना बढ़ जाती है।

पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, 151–200 की वायु गुणवत्ता रीडिंग को अस्वस्थ माना जाता है, जिससे हर किसी को समस्याएँ होती हैं और संवेदनशील समूहों पर इसके अधिक गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। जब हवा की गुणवत्ता 201–300 के स्तर पर पहुँच जाती है, तो इसे बहुत ज्यादा अस्वस्थकर स्तर माना जाता है, और उस इलाके में रहने वाले सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं। जब यह 300 के पार पहुँच जाती है, तो यह खतरनाक हो जाती हैय इसका मतलब है कि हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है और यह सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम पैदा करती है।

नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसका क्षेत्रफल 413. 69 वर्ग किलोमीटर है, पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण का एक बड़ा केंद्र बन गई है। 2022 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, यहाँ की जनसंख्या 1,988,606 है और जनसंख्या घनत्व 12,440 प्रति वर्ग मील है। उद्योगों और घरों से निकलने वाला धुआँ, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन और कचरे को बेतरतीब ढंग से जलानाकृये सभी प्रदूषण के बढ़ने में योगदान दे रहे हैं। वे वाहन जो उत्सर्जन परीक्षण (मउपेपवद जमेजे) में फेल हो गए हैं, वे प्रदूषण को और भी ज़्यादा बढ़ा रहे हैं और औद्योगिक धुएँ में अपना योगदान दे रहे हैं।

बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को 1–0 से दी मात, **Lamine Yamal** को लगी चोट

एफसी बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को अपने घर में 1–0 से हराकर ला लीगा में रियल मैड्रिड पर 9 अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के लिए बार्सिलोना को काफी मेहनत करनी पड़ी।

लेकिन वहीं टीम को लामिन यामल के रूप में बड़ा झटका लगा है। दरअसल, लामिन यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए और उन्हें चोट लग गई। जिस कारण वह बाहर हो गए। सेल्टा ने पहले हाफ में काउंटर अटैक में दिक्कतें पैदा कीं लेकिन बार्सिलोना ने तब बढ़त बनाई जब यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए। फॉरवर्ड को गोल में बदला, लेकिन बॉल को हिट करते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई और उन्हें बाहर जाना पड़ा। स्टैंड में मेडिकल इमरजेंसी के कारण मैच 15 मिनट तक रुका रहा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे हाफ में फेरान टोरेस का एक गोल मामूली ऑफसाइड की वजह से रद्द हो गया। दूसरी तरफ डिएगो शिमोन ने कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद अपनी एटलेटिको मैड्रिड टीम में बड़े बदलाव किए, लेकिन उनकी टीम एल्चे से 3–2 से हार गई, जो इस जीत के साथ रेलीगेशन जोन से बाहर हो गई। एटलेटिको के लिए निको गोंजालेज ने दो गोल किए जबकि डेविड एफेंग्रुबर के गोल और आंद्रे सिल्वा की पेनल्टी से हाफटाइम तक स्कोर 2–2 हो गया एटलेटिको के थियागो अल्माडा को फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया। जिससे स्पॉट किक हुई। सिल्वा ने दूसरे हाफ में फिर से गोल करके एल्चे को जीत दिलाई और अलावेस को निचले तीन में पहुंचा दिया।

daxkyh esa Mwck **Pakistan Railway**] **Staff** dh deh ls iwjk **Network** Bi gksus dk [krjk

रावलपिंडी में लगातार पाँच दिनों तक चले बड़े पैमाने पर शटडाउन ने आम जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर दिया हैय अधिकारियों ने कथित तौर पर ईरान–अमेरिका वार्ता से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं को इसके औचित्य के रूप में बताया है। हालाँकि, श्द एक्सप्रेस ट्रिब्यूनश की रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिबंधात्मक उपायों का खामियाजा निवासियों और व्यवसायों, दोनों को ही भुगतना पड़ा है। श्द एक्सप्रेस ट्रिब्यूनश के अनुसार, शहर में सार्वजनिक जीवन पूरी तरह से ठप हो गया, क्योंकि परिवहन केंद्रों, थोक बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों, होटलों और यहाँ तक कि शादी–विवाह स्थलों को भी बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। नियमित गतिविधियों के इस निलंबन ने न केवल व्यापार को बाधित किया, बल्कि शिक्षा और न्यायिक कार्यवाही को भी प्रभावित किया, जिससे नागरिकों को अपनी जरूरी जिम्मेदारियों को निभाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

यात्रा एक बड़ी चिंता का विषय बनकर उभरी है। सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के बंद होने के कारण, लोगों को बढ़ी हुई कीमतों पर निजी तौर पर किराए पर लिए गए वाहनों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जिन परिवारों को अंतिम संस्कार जैसे आपातकालीन हालातों का सामना करना पड़ रहा था, उनके पास पूरे वाहन किराए पर लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था, और अक्सर उन्हें सामान्य किराए से लगभग दोगुना किराया देना पड़ा। मांग में इस असामान्य उछाल ने, विडंबना यह है कि कार डीलरों और शोरूम संचालकों के कारोबार को बढ़ावा दिया है। शहर में जहाँ लगभग 1,470 पंजीकृत कार शोरूम हैं, कथित तौर पर सभी छोटे वाहन प्रीमियम दरों पर बुक हो गए, विशेष रूप से लाहौर, सियालकोट, फैसलाबाद और अन्य स्थानों की यात्रा के लिए। इस बीच, 34 परिवहन टर्मिनलों के बंद होने से सैकड़ों कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं, जिससे आर्थिक संकट और भी गहरा गया है। हालांकि अधिकारियों ने मंगलवार शाम को ट्रांसपोर्ट सेवाओं को फिर से शुरू करने की मौखिक अनुमति दे दी थी, लेकिन लोगों के मन में डर और यात्रियों की कम संख्या के कारण यह फिर से शुरू नहीं हो पाई। ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर बिना किसी स्पष्ट आश्वासन के काम फिर से शुरू करने में हिचकिचा रहे थे। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मुरी रोड और रावल रोड सहित मुख्य सड़कों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था जारी रही, और हवाई अड्डे के पास के इलाकों में भी भारी संख्या में पुलिस तैनात रही।

खबरों के मुताबिक, तीन किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ा, जिसमें छतों पर जाने की सीमित अनुमति भी शामिल थी, जबकि आस–पास के बाजार बंद रहे। ट्रांसपोर्ट फेडरेशन के नेता, हाजी जहूर अराइन ने एक ज़्यादा स्पष्ट और संतुलित नीति की मांग की है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पूरी तरह से बंद करने के बजाय नियंत्रित तरीके से ट्रांसपोर्ट चलाने का सुझाव दियाय उन्होंने सुरक्षा बनाए रखते हुए जरूरी आवाजाही को जारी रखने के लिए वैकल्पिक रास्तों और जगहों का प्रस्ताव रखा।

चित्रों के माध्यम से बच्चों को बताया धरा के संरक्षण का महत्व

बाराबंकी। स्थानीय विकास भवन स्थित फस्ट बेल स्कूल में 'पृथ्वी दिवस' बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नन्हे बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य राजकुमार चौधरी ने बच्चों को पेड़–पौधों और स्वच्छ वातावरण के लाभों के बारे में जानकारी दी। बच्चों ने पौधारोपण कर उनकी देखभाल का संकल्प लिया। साथ ही उन्हें बताया गया कि 'पृथ्वी दिवस' हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। बच्चों ने रंग–बिरंगे चित्रों और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से 'पृथ्वी बचाओ' का संदेश दिया।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ एवं जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन द्वारा आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम आभा आईडी (।ठभ्।प्क) बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा की और निर्देशित किया कि अधिक से अधिक मरीजों की आभा आईडी बनाकर उन्हें डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना मरीजों को बेहतर एवं सुगम उपचार सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया, जिसमें जन औषधि कक्ष, दवा वितरण कक्ष, औषधि भंडारण कक्ष, पुरुष एवं महिला वार्ड, आयुष्मान कक्ष, टीकाकरण कक्ष तथा पैथोलॉजी लैब शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की गुणवत्ता, साफ–सफाई, मरीजों को मिल रही सुविधाओं तथा स्टाफ की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। औषधि कक्ष के निरीक्षण के

दौरान जिलाधिकारी ने दवाओं के स्टॉक रजिस्टर एवं इन्डेंट स्थिति की जांच की। विभिन्न रजिस्टर अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित न पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित फार्मासिस्ट शिवाशरण को तत्काल हटाए जाने एवं उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। टीकाकरण कक्ष के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि एएनसी (।छब) रजिस्टर को नियमित एवं सही तरीके से संधारित किया जाए, जिससे गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का समुचित रिकॉर्ड रखा जा सके और उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ–सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य सेवाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, संबंधित एमओआईसी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता पवन जायसवाल गिरफ्तार, फर्जीवाड़े के गंभीर आरोपों में कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच में भाजपा नेता पवन जायसवाल की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने उन्हें धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़े गंभीर गैर–जमानती मामलों में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने फर्जी इकरारनामा तैयार करवाकर जमीन से जुड़े विवाद में धोखाधड़ी की।

पीड़िता का आरोप है कि पवन जायसवाल ने उसे धमकाया और जमीन किसी अन्य को न बेचने का दबाव बनाया। मामले में पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 467, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई कोतवाली देहात पुलिस ने की, जहां मुकदमा दर्ज था। आरोपी बहराइच के कोतवाली नगर क्षेत्र के अटकोनवा का निवासी बताया जा रहा है। कोतवाल देहात दद्दन सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ घर पर दबिश देकर गिरफ्तारी की गई। पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल जारी है। जमीन विवाद में फर्जीवाड़ा और दबंगई के आरोप ने जिले की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।

शादी से तीन दिन पहले घर में चोरी, कैसरगंज में बढ़ती वारदातों से जनता में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के कैसरगंज थाना क्षेत्र में चोरी

की घटना होने से क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। ताजा मामला गुथिया गांव का है, जहां बेटी की शादी से महज तीन दिन पहले चोरों ने घर में धावा बोलकर लाखों रुपये के जेवरात, कपड़े और अन्य सामान पार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुथिया गांव निवासी अरविंद कुमार सिंह की पुत्री की शादी 25 अप्रैल को निर्धारित है। घर में शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं और आवश्यक सामान पहले से ही एकत्र कर लिया गया था। परिवार शादी की खुशियों में व्यस्त था, लेकिन बीती रात अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर घर में प्रवेश कर लिया। बताया जा रहा है कि रात में परिवार के सदस्य छत पर सो रहे थे, इसी दौरान चोर घर के अंदर घुस गए और जेवरात, नए कपड़े व अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। सुबह जब परिजन जागे तो घर का सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि घटना स्थल कैसरगंज थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे पुलिस गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नाराज स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि रात्रि गश्त की कमी के चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो घटनाएं और बढ़ सकती हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि रात्रि गश्त को सख्ती से लागू किया जाए, संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित जांच हो, और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बहाल हो सके।

स्कूलों में विशेष टीकाकरण अभियान तेज, बच्चों को लगाया जा रहा टीडी/डीपीटी का टीका

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों और मदरसों में बच्चों के स्वास्थ्य को

सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विशेष टीडी/डीपीटी टीकाकरण अभियान तेज़ी से चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्कूलों में कैंप लगाकर छात्र–छात्राओं को टेटनस, डिफ्थीरिया और काली खांसी जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगाए जा रहे हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने अभियान को लेकर सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संचालित किया जा रहा है। बीपीएम अनुपम शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक सत्र में 100 से 125 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह विशेष अभियान 20 से 30 अप्रैल तक संचालित हो रहा है, जिसमें टीडी (टेटनस– डिफ्थीरिया) और डीपीटी (डिफ्थीरिया, काली खांसी एवं टेटनस) के टीके लगाए जा रहे हैं। अभियान के अगले चरण में 24, 27, 28 और 30 अप्रैल को भी टीकाकरण कैंप आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के तहत– कक्षा 1 (5–6 वर्ष) के बच्चों को डीपीटी का टीका कक्षा 4–5 (10 वर्ष) और कक्षा 10–11 (16 वर्ष) के छात्रों को टीडी का डोज दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह टीकाकरण नियमित कार्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन जो बच्चे किसी कारणवश अब तक वंचित रह गए थे, उनके लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मामराज राजकीय बालिका विद्यालय, नूरपुर में भी टीकाकरण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या वर्षा गौतम, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक पवन कुमार और बीपीएम पयागपुर अनुपम शुक्ल की निगरानी में 23 छात्राओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। इस दौरान विद्यालय की अध्यापिकाएं और छात्राएं भी मौजूद रहीं। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि उन्हें जानलेवा संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

बीच सड़क पर मौत का जाल! 5 फीट नीचे लटकी बिजली केबिल, हादसे को दे रही खुली चुनौती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिले के शेखदहीरदृमाधवरेती मार्ग पर स्थित एएनएम सेंटर के पास लटकी बिजली की केबिल किसी बड़े हादसे का इंतजार करती नजर आ रही है। सड़क के ऊपर से गुजर रही यह केबिल महज करीब 5 फीट की ऊंचाई पर झूल रही है, जिससे हर गुजरने वाला वाहन खतरे के साये में आ जाता है। हालात इतने खराब हैं कि जब कोई बड़ा वाहन इस रास्ते से गुजरता है, तो एक व्यक्ति को डंडे के सहारे केबिल को

ऊपर उठाना पड़ता है, तब जाकर वाहन निकल पाते हैं। यह स्थिति न सिर्फ लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि किसी भी वक्त गंभीर दुर्घटना की आशंका भी पैदा कर रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इस केबिल को सुरक्षित ऊंचाई पर ठीक कराया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। चेतावनी साफ हैकृअगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लापरवाही किसी की जान भी ले सकती है।

बहराइच में कूड़े की आग बनी खतरा, रिहायशी इलाके में मची अफरा–तफरी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित प्रधान डाकघर के पास कर्मचारियों की लापरवाही उस समय भारी पड़ गई, जब कूड़े में लगाई गई आग अचानक विकराल रूप धारण कर गई। तेज हवाओं के चलते उठती लपटें तेजी से आसपास के मकानों की ओर बढ़ने लगीं, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के दौरान आसपास के लोग अपने–अपने घरों से बाहर निकल आए। कोई बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में जुटा रहा तो कोई जरूरी सामान बचाने

में लगा रहा। कुछ देर के लिए माहौल ऐसा हो गया मानो कोई बड़ा हादसा सामने खड़ा हो। बताया जाता है कि यह स्थान शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक है। पास ही कोषागार, माल कचहरी और कुछ दूरी पर दीवानी कचहरी स्थित है। इतना ही नहीं, मौसम विभाग का कार्यालय भी यहीं मौजूद है। हैरानी की बात यह है कि प्रधान डाकघर के ठीक सामने पुलिस अधीक्षक कार्यालय होने के बावजूद इस तरह की लापरवाही ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन घटना ने जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने मांग की है कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आगामी 25, 26 तथा 27 अप्रैल को जनपद में आयोजित होगी होमगार्ड भर्ती परीक्षा, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने की तैयारियों की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में आगामी होमगार्ड भर्ती परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि होमगार्ड परीक्षा का आयोजन 25, 26 एवं 27 अप्रैल, 2026 को किया जाएगा। इस परीक्षा के लिए जनपद में कुल 14 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा की

निगरानी एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 14 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा में कुल 5520 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।उन्होंने जानकारी दी कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संचालित होगी। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, साफ–सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से कानून–व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था को तत्काल प्रभाव से नियंत्रित किया जाए। साथ ही, परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने एवं यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के भी निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें।जिलाधिकारी ने भरोसा जताया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से यह परीक्षा सफलतापूर्वक एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न होगी।

नकल पर सख्ती, सुरक्षा के कड़े इंतजाम–होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में 25, 26 और 27 अप्रैल को प्रस्तावित होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ

रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से तारा महिला इंटर कॉलेज, बहराइच स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों की बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, प्रवेश–निकास द्वारों की सुरक्षा, अभ्यर्थियों की चेकिंग के लिए बनाए गए फ्रिस्किंग प्वाइंट और बैरिकेडिंग का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए कि परीक्षा हर हाल में नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराई जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा परीक्षा अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, भीड़ नियंत्रण करने और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भी प्रशासन ने विशेष दिशा–निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराया जाएगा और किसी भी अनियमितता पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध पेट्रोल–डीजल कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, 825 लीटर ईंधन बरामद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच जिले में अवैध पेट्रोल–डीजल भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान चलाते हुए कुल 825 लीटर ईंधन बरामद किया है। यह कार्रवाई रामगांव, मोतीपुर, नवाबगंज, खैरीघाट और मुर्तिहा थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर की गई। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में पूर्ति विभाग के सहयोग से सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें अवैध रूप से ईंधन जमा कर ऊंचे दामों पर बेचने वालों पर कार्रवाई की गई। पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि कुछ लोग पेट्रोल–डीजल की कमी की अफवाह फैलाकर उसका अवैध भंडारण कर रहे हैं और मुनाफाखोरी में लगे हैं। इसी आधार पर की गई कार्रवाई में मोतीपुर से 95 लीटर, नवाबगंज से 60 लीटर, खैरीघाट से 70 लीटर, रामगांव क्षेत्र से 530 लीटर और मुर्तिहा से 70 लीटर पेट्रोल–डीजल बरामद किया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन ने साफ किया है कि कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पेट्रोल पम्पो पर डीजल पेट्रोल के लिए लम्बी कतारें, वहीं गैस सिलेंडर के लिए भी लोग हैं परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में पेट्रोल और डीजल की किल्लत हर तरफ देखने को मिल रही है जहां इस समय गेंहू की कटाई हो चुकी है और किसान अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए डीजल के किल्लत के कारण लाइन में दिखाई दे रहा है।वहीं शादी विवाह का भी समय चलध रहा है जिससे और परेशानी का सामना आमजनता को करना पड़ रहा है। हकीकत यह है की डीएम के बंगले के सामने पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ दिखाई दे रही है।लोगों का कहना है कि प्रसाशन की चुप्पी कोई और ही आसाराम कर रहा है।वहीं आमजनता में चर्चा का विषय है कि जनपद में लगभग कई पेट्रोल पंप बन्द

पड़े हैं, तो कई पेट्रोल पंप एक दिन पेट्रोल डीजल बांट कर मामले को ठंडा करने में लगा हुआ है। चर्चा यह भी है कि कहीं आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी के लिए तो पेट्रोल पंप पर पेट्रोल व डीजल डंप तो नहीं हो रहा है क्योंकि इस किल्लत और भीषण गर्मी में आमजनता जहां पेट्रोल डीजल के लिए पेट्रोल पंपो पर लाइन में खड़ी तो वहीं जिले के आला अधिकारी सिर्फ बयान बाजी से काम चला रहे हैं न कि जमीनी स्तर पर कार्यवाही तय कर रहे हैं।यही हाल जनपद में गैस सिलेंडर एजेंसियों की है जहां देखो लोग लाइन में खड़े हैं जिम्मेदारी जिन अधिकारियों को दी गई है वह भी सिर्फ खानापूर्ति करने की चर्चा जोरों पर है और असल में व्यवस्था कुछ ही आमजनता तक पहुंच रही है। ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद भी लोगों को सप्ताह बीत जाने के बाद भी गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो सकी है।

वृक्षारोपण जन अभियान की समीक्षा, मंत्री ने दिए सख्त निर्देश'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार वन पर्यावरण जन्तु उघान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में वन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं एवं वृक्षारोपण कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गौड, विधायक सदर भूपेश चौबे एवं विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता ने सड़कों के निर्माण पटवध बसुआरी मार्ग, मंग्लेश्वर महादेव मन्दिर मार्ग, तिलहर मार्ग व बिजली के खम्भें गाड़ने में आ रही वन विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में मंत्री जी को अवगत कराये, मंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण में यदि कोई समस्या हो, तो संबंधित कार्यदायी संस्था से आवेदन प्राप्त कर प्रवेश पोर्टल के माध्यम से उसका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वन विभाग सम्बन्धित कार्यदायी संस्था

जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में बैठक कर ली जाये और जो भी समस्यायें आ रही है उसका निराकरण अतिशीघ्र कराया जाये। बैठक के दौरान मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत किए गए वृक्षारोपण की समीक्षा करते हुए कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं निगरानी अनिवार्य रूप से की जाए सभी अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करें, अन्यथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने कहा कि वृक्षा रोपण जन अभियान के अन्तर्गत कम से कम 3 फीट ऊंचाई के पौधे लगाये तथा महुआ, चिरौंजी एवं फलदार प्रजातियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मंत्री जी ने कहा कि महुआ विक्रेताओं के विरुद्ध अनावश्यक कार्रवाई न की जाए। प्रदूषण नियंत्रण विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि सड़कों पर फ्लाई ऐश न फैलने देने तथा प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई की जाये, और उन्होंने कहा कि नियमित रूप से कम्पनियों का निरीक्षण किया जाये, पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने पर बल दिया। मंत्री ने सर्किट हाउस परिसर में वृक्षा रोपण जन अभियान के तहत पौध रोपण भी किये। इस मौके पर सुशान्त शर्मा मुख्य वन संरक्षक मीरजापुर मंण्डल, आशुतोष जायसवाल डी0एफ0ओ0 रावर्टसगंज, कमल कुमार डी0एफ0ओ0 रेनूकूट, दीलीप कुमार तिवारी डी0एफ0ओ0 ओबरा, श्री तपश मिहिर डी0एफ0ओ0 कैमूर वन जीव प्रभाग उपस्थित रहें।

दीक्षांत परेड हेतु भव्य एवं अनुशासित पूर्वाभ्यास सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र के परेड ग्राउंड में 23.04.2026 को आगामी दीक्षांत परेड समारोह (चेंपदह व्नज च्तंकम) के सफल एवं गरिमामयी आयोजन के दृष्टिगत भव्य पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों

द्वारा अद्वितीय अनुशासन, समर्पण एवं उत्साह का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात मार्च पास्ट में रिक्रूट्स ने बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक एवं प्रभावशाली तालमेल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जो उनकी कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष उदाहरण रहा। निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की गई तथा उन्हें भविष्य में कर्तव्यनिष्ठ, सजग एवं जनसेवा के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी मुख्य समारोह को त्रुटिहीन, भव्य एवं गरिमामयी बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को परेड ग्राउंड की समुचित व्यवस्था, अतिथियों के सुव्यवस्थित बैठने, यातायात एवं सुरक्षा प्रबंधन, साफ–सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रूणवाल, क्षेत्राधिकारी यातायात चारु द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर, प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र मो0 नदीम, आरटीसी प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लू से बचाव हेतु जनहित में जिला प्रशासन ने की एडवाइजरी जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि जनपद में विगत दिनों में तापमान 40 डीग्री से 42 डीग्री के आस पास दर्ज किया जा रहा है, जो कि अत्यधिक गर्मी को प्रदर्शित करता है और आने वाले दिनों में तापमान बढ़कर 45 डीग्री पहुँचने का अनुमान है। शरीर में पानी/नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। इसके क्रम में लू (हीट स्ट्रोक) गर्म हवाओं से बचने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश निम्नवत हैं– लू (हीट स्ट्रोक) के लक्षण। गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना। तेज पल्स होना। उथले श्वास गति में तेजी। व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिती।सिरदर्द, मितली, थकान, और कमजोरी होना, चक्कर आना। मूत्र न होना अथवा इसमें कमी। लू (हीट स्ट्रोक) से बचने के उपाय। क्या करें स्थानिय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। आपात स्थिती से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। अधिक से अधिक पानी पियें। यदि प्यास न लगी हो तब भी। हल्के रगं के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहने। धूप के चश्मे, छाता, गमछा, टोपी व चप्पल का प्रयोग करें। अगर आप खुले में कार्य करते हैं तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाता का प्रयोग करें। दोपहर में घर से निकलते समय शरीर के अंगों को अधिक से अधिक ढककर रखें। सूती व खादी वस्त्र पहनें। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ ले जाएं। घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। अपने घर को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार स्नान करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें। कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें। गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। दोपहर 12 से 4 बजे घर के अंदर रहें। पशुओं को छाया में रखें व ताजा पानी दें। क्या न करें। गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़े न पहनें। खाली पेट घर से बाहर न निकलें। एल्कोहल, चाय व कॉफी से परहेज करें। बासी खाने से परहेज करें। जानवर एवं बच्चों को कभी भी बन्द/खड़ी गाड़ियों में अकेला न छोड़ें। दोपहर में अतिरिक्त शारीरिक श्रम न करें। वाहनों को धूप में खड़ा न करें। धूप में नगें पॉव न रहें।

बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ.प्र.

जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, व्यापारियों ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम और द्वितीय को ज्ञापन सौंपा। 4 सूत्रीय ज्ञापन में मांग किया कि स्मार्ट मीटर व प्रीपेड़ मीटर बिल की अनियमितताये और सिक्योरिटी एडजेस्टमेन्ट के सम्बन्ध में आ रही शिकायतों का समाधान कराया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि 1. सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर एवं प्रीपेड मीटर को रोकने का जो आदेश सरकार ने दिया है, उसका अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय, प्रीपेड व स्मार्ट मीटर पर जो अभी तक बिल आयी है, उसको नियमित रूप से ठीक कराया जाय। जिससे उपभोक्ता व व्यापारी उत्पीड़ित न हों, प्रीपेड व स्मार्ट मीटर जिन जगहों पर लग चुके है, उनके समस्या का तत्काल निराकरण कराने के साथ ही जिन जगहो पर स्मार्ट मीटर लग गये है, उनको पोस्टपेड कर दिया जाय। ज्ञापन देने के बाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ.प्र. जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर व्यवस्था को वापस कराया जाय। उपभोक्ता स्मार्ट मीटर के गलत बिलों से परेशान है। विभाग जब चाहे बिना सूचना के लाइन काट दी जाती है। इसे सुधारा जाय अन्यथा परेशान नागरिक, व्यापारी आन्दोलन को बाध्य होंगे। कहा कि स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगा दिये जांय। अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम और द्वितीय को ज्ञापन सौंपने के दौरान उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के सौरभ श्रीवास्तव, इरफान खान, सोनू, शुभम गुप्ता, अभिषेक वर्मा, फरोज रवान के साथ ही अनेक व्यापारी, नागरिक शामिल रहे।

परीक्षा फल मे टापर रहे बाबा बिहारी भरकवाह के बच्चे

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। हाई स्कूल एवं इंटर की बोर्ड परीक्षा मे बाबा बिहारी इण्टर कालेज भरकवाह के बच्चों का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी हाई स्कूल का 91 प्रतिशत एवं इण्टर का 95 प्रतिशत से उपर रहा, हाई स्कूल मे विकास कुमार 89.33 प्रतिशत तथा इण्टर मे नीतू 86.81प्रतिशत अंक पाकर कालेज मे टापर रहे, पिछले चौदह साल से लगातार बाबा बिहारी इण्टर कालेज भरकवाह के बच्चे जनपद स्तर पर परीक्षा परिणाम की जारी सूची मे स्थान प्राप्त करते हुए क्षेत्र मे दबदबा बनाये रखने मे सफल रहे हैं, कालेज के प्रबन्ध निदेशक अखिलेश यादव ने बताया कि पठन पाठन एवं अनुशासन बनाये रखना उनकी पहली प्राथमिकता है, इसी का परिणाम रहा कि बाबा बिहारी इण्टर कालेज भरकवाह के बच्चे हमेशा कामयाब रहने मे सफल रहते हैं।

बोर्ड बैठक में विकास का रोडमैप तय, जनता को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना की अध्यक्षता में आयोजित नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को परिसीमन के साथ लागू कर आधी आबादी को अधिकार देने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। बैठक के दौरान बनकटी के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता रघुनाथ सिंह के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित सभासद रामचंद्र सोनकर, भानु प्रताप रावत और प्रदीप निषाद का प्रथम आगमन पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि नगर पंचायत अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए सेवा और विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि नरेन्द्र मोदी के "विकसित भारत संकल्प" को आगे बढ़ाते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विभिन्न विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि नगर के सभी 15 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री नवसृजन योजना, वैश्विक नगरोदय योजना, पंडित दीनदयाल नगर विकास योजना, अमृत 2.0, सूडा योजना, नगरीय झील–पोखर योजना आदि के अंतर्गत लगभग 50 करोड़ रुपये के प्रस्ताव शासन को भेजे जाएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2000 लाभार्थियों के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। नगर को आधुनिक बनाने के लिए बाजार क्षेत्र को सोलर नगर के रूप में विकसित करने, महापुरुषों के नाम पर स्वागत द्वार बनाने, बड़े पार्क, इनडोर स्टेडियम और अग्निशमन केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव भी पुनः भेजे जाएंगे। इसके अलावा मंडी स्थल के जीर्णोद्धार, पीपीपी मॉडल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण और खाली जमीनों की सुरक्षा हेतु चारदीवारी निर्माण की योजना बनाई गई है। जनहित के अन्य निर्णयों मेंकृसार्वजनिक शौचालयों की निगरानी, गर्मियों में वॉटर कूलर संचालन, पेंशन हेतु पात्र व्यक्तियों की पहचान, स्कूलों की सुरक्षा, छुट्टा पशुओं के लिए कैटल कैचर की खरीद, डिजिटल लाइब्रेरी और नक्षत्रशाला का लोकार्पण शामिल है। बिजली व्यवस्था सुधार, लटकते तारों और जर्जर खंभों की मरम्मत, रात्रि बिजली समस्या समाधान के लिए कर्मचारियों के संपर्क नंबर सार्वजनिक करने, धार्मिक स्थलों व कुओं के जीर्णोद्धार और निष्प्रयोज्य भवनों के पुनः उपयोग पर भी चर्चा हुई। बैठक में विभिन्न सभासदों ने अपने विचार रखे। अंत में अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप भेदभाव रहित विकास ही प्राथमिकता है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी का शत–प्रतिशत परिणाम, छात्र–छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती स्थित उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम इस बार भी शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया। हाईस्कूल परीक्षा में छात्रा श्रेया राव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। खुशनुमा खातून और अर्पिता गुप्ता ने 88–88 प्रतिशत, रूद्र प्रताप, साक्षी और युवराज कसौधन ने 87.8–87.8 प्रतिशत, अनामिका ने 87 प्रतिशत, अनुराग कुमार और विनित कुमार ने 84–84 प्रतिशत, अभि यादव और सुमित बारी ने 83–83 प्रतिशत, खुशी भारती ने 82.9 प्रतिशत, जबकि अंशिका और बाबी देवल ने 82–82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इंटरमीडिएट (विज्ञान वर्ग) में अभिनय गुप्ता ने 89.3 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुष अग्रहरी ने 84 प्रतिशत, रवि प्रकाश मौर्य, आनंद और हिमांशु गुप्ता ने 83–83 प्रतिशत, अमृता गुप्ता ने 82.2 प्रतिशत, शाहिल ने 80.6 प्रतिशत, वर्षा ने 80.2 प्रतिशत, अरविंद यादव ने 80.1 प्रतिशत और अमन पटेल ने 80 प्रतिशत अंक हासिल किए। विद्यालय के प्रबंधक धीरेन्द्र शुक्ल, प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल और प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह सहित शिक्षकगणों ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉलीवुड सितारों की किताबों में छिपी असली कहानियां और ग्लैमर के पीछे की सच्चाई

इस वर्ल्ड बुक डे पर आइए अपनी नजरें बड़े पर्दे से हटाकर शब्दों की दुनिया पर रखते हुए उन चुनिंदा बॉलीवुड हस्तियों की किताबों पर बात करते हैं, जिन्होंने जगबीती, की बजाय आपबीती बयां की है और बॉलीवुड की अपनी चमक–दमक भरी ज़िंदगी के पीछे की सच्चाई साझा की है।

इन आत्मकथाओं और संस्मरणों के जरिए उन्होंने अपनी ज़िंदगी के संघर्ष, भावनाओं और अनुभवों की एक सच्ची झलक दिखाई है। तो आइए इस वर्ल्ड बुक डे पर उन किताबों पर एक नज़र डालते हैं, जो सिर्फ़ सेलिब्रिटीज़ की कहानियां नहीं, बल्कि इंसानी अनुभवों, संघर्षों और आत्म–खोज की ऐसी यात्राएं हैं जो हर पाठक को कहीं न कहीं खुद से जोड़ती हैं और उन्हें ज़िंदगी जीने का एक नया नज़रिया देती हैं।

अपनी बेबाक छवि की तरह ही ऋषि कपूर ने अपनी यह किताब भी बेहद साफ़गोई से लिखी है। इसमें उन्होंने अपने फिल्मी करियर, पारिवारिक विरासत, निजी रिश्तों और विवादों पर बिना किसी झिझक के विचार सामने लाए हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपने इस किताब में बरेली से लेकर ग्लोबल स्टार बनने तक के अपने सफर को बयां किया है। इसमें उनकी मेहनत, संघर्ष और बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के सफर की कहानी है।

नसीरुद्दीन शाह की लेखनी भी उनकी अदाकारी की तरह गहरी है। उनकी यह आत्मकथाएँ उनके बचपन, संघर्ष और एक कलाकार के रूप में विकास को बेहद संवेदनशील तरीके से पेश करती हैं।

कुब्रा सैत की यह किताब साहसी और बेहद व्यक्तिगत है, जिसमें उन्होंने अपनी पहचान, संघर्ष और आत्म–स्वीकृति की यात्रा को खुलकर साझा किया है।

सोहा अली खान ने अपनी इस किताब में अपनी खास शैली में एक प्रसिद्ध परिवार का हिस्सा होने के अनुभव और अपनी अलग पहचान बनाने की कहानी को हल्के–फुल्के अंदाज़ में पेश किया है।

करण जौहर ने इस किताब में न सिर्फ अपने निजी और पेशेवर जीवन के कई पहलुओं को उजागर किया है, बल्कि बॉलीवुड के अंदरूनी कामकाज और अपने भावनात्मक अनुभवों पर भी बात की है।

इमरान हाशमी की यह किताब उनके बेटे की कैंसर से लड़ाई पर आधारित एक भावनात्मक कहानी है, जो एक पिता के डर, उम्मीद और हिम्मत को दर्शाती है।

आयुष्मान खुराना अपनी इस किताब में एक आउटसाइडर के रूप में बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के संघर्ष और अलग सोच को साझा करते हैं।

ट्विंकल खन्ना अपनी खास ह्यूमर और तीखे अवलोकन के साथ रोज़मर्रा की ज़िंदगी, रिश्तों और समाज पर एक मज़ेदार और सोचने पर मजबूर करने वाला नजरिया पेश करती हैं।

जुनैद खान–साई पल्लवी की एक दिन के लिए खास म्यूजिकल इवेंट का ऐलान, इस दिन मुंबई में सजेगी महफ़िल

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म श्एक दिनश का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की जोड़ी नजर आने वाली है। ट्रेलर और गानों की झलक सामने आने के बाद से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

इसकी सादगी भरी कहानी और संगीत की झलक ने इसे पहले ही चर्चा में ला दिया है। इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने एक खास म्यूज़िकल इवेंट 'एक दिन की महफ़िल' आयोजित करने का फैसला किया है।

इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह विशेष कार्यक्रम 26 अप्रैल को मुंबई के एसएनडीटी कॉलेज, सांताक्रूज़ में आयोजित किया जाएगा। यह केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं, बल्कि फिल्म के संगीत और उसकी भावनात्मक दुनिया को करीब से महसूस करने का एक अनोखा अवसर भी होगा।इस खास शाम में फिल्म के गानों को लाइव परफॉर्मेंस के जरिए पेश किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अंतरंग और यादगार अनुभव मिलने की उम्मीद है।

इस इवेंट में आमिर खान, साई पल्लवी, जुनैद खान और फिल्म के संगीतकार राम संपत जैसे प्रमुख नामों के शामिल होने की संभावना है। उनकी मौजूदगी इस शाम को और भी खास बनाएगी, जहां संगीत और भावनाएं एक साथ मंच पर जीवंत होती नजर आएंगी।

'एक दिन' की एक और खास बात यह है कि इसके साथ आमिर खान और निर्देशक मंसूर खान की चर्चित जोड़ी एक बार फिर साथ काम कर रही है। सुनील पांडे के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। 'एक दिन' 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दोस्त की शादी में आर्यन खान का फुल ऑन मस्ती अवतार, जूता चुराई रस्म को बना डाला मिनी वॉर, देखिए वीडियो

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बड़े बेटे आर्यन खान अक्सर अपने शांत और गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में एक शादी समारोह से उनका जो वीडियो सामने आया है, उसने फैंस की इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आर्यन खान अपने सबसे अच्छे दोस्त माहिर मेहता और रिया की शादी में शामिल हुए, जहां उन्होंने श्जूता चुराईश की रस्म को एक श्मिनी वॉरश में तब्दील कर दिया।

वेडिंग ऑर्गेनाइजर ने श्जूता चुराईश रस्म का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में आर्यन खान बेहद कैजुअल लुककृजींस, टी–शर्ट और ब्राउन जैकेट में नजर आ रहे हैं। परंपरा के अनुसार, दुल्हन पक्ष की लड़कियां दूल्हे के जूते चुराने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन आर्यन ने मोर्चा संभाल लिया।

वीडियो में दिख रहा है कि आर्यन दूल्हे का जूता हाथ में लेकर भाग रहे हैं। इस दौरान कई लोग उनसे जूता छीनने की कोशिश करते दिखते हैं। आर्यन जूते को बचाते हुए अपना बैलेंस खो बैठते हैं और गिरते–गिरते बचते हैं। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अंत में वह जूता लेकर वहां से दूर भाग जाते हैं।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी। एक यूजर ने लिखा, श्मुझे लगा कोई असली झगड़ा (लफड़ा) हो गया है।श एक अन्य ने लिखा, श्हर दूल्हे को ऐसा ही वफादार दोस्त मिलना चाहिए।श

मस्ती के अलावा आर्यन अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज श्द बास्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुडश के साथ बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। इस सीरीज में उन्होंने न केवल निर्देशन किया, बल्कि वह इसके लेखक और शो–रनर भी हैं।

कृति सेनन का समंदर किनारे बोल्ड अवतार, बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। कृति जल्द ही कार्तिक आर्यन और रश्धमिका मंदाना के साथ

श्कॉकटेल 2श में नजर आने वाली हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी सुपर सिजलिंग तस्वीरों से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा दी है।

कृति सेनन ने अपना ग्लैमरस बीच लुक शेयर किया है। समंदर की लहरों के बीच कृति का किलर लुक और उनके ग्लैमरस आउटफिट ने फैंस को दीवाना बना दिया है।

कृति सेनन बेहद स्टाइलिश मल्टी–कलर्ड कट–आउट को–ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं। इसमें अर्थी टोन्स और एब्स्ट्रैक्ट प्रिंट्स का इस्तेमाल किया गया है, जो बीच–वेयर के लिए बेस्ट है।

नेकलाइन पर हॉल्टर स्टाइल और वेस्ट पर रफल्ड मिनी स्कर्ट का कॉम्बिनेशन कृति की टोंड लेग्स को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा है। नीले समंदर के बैकड्रॉप में कृति का आत्मविश्वास और उनकी अदाएं किसी जलपरी से कम नहीं लग रही हैं।

कृति सेनन ने न्यूड मेकअप और खुले मेसी बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट धकिया है। तस्वीरों में वह एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

कृति सेनन की इन त्सवीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कमेंट सेक्शन श्फायरश और श्हार्टश इमोजी से भर गया है। फैंस कृति की तुलना ग्लोबल स्टाइल आइकन से कर रहे हैं।

स्पॉटलाइट से स्टोरीटेलिंग, जब बॉलीवुड अभिनेत्रियां बनीं लेखिका

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने एक लेखिका के रूप में अपनी एक नई पहचान बनाई है। अभिनेत्रियों ने अपनी किताबों के जरिए अपने अनुभव, भावनाएँ और जीवन के उतार–चढ़ाव खुलकर साझा की है, जिसके ज़रिए पाठकों को उनकी असल ज़िंदगी की सच्ची झलक देखने को मिलती है। उनके शब्दों में हमें उनकी ज़िंदगी की एक और सच्ची, व्यक्तिगत और बेबाक झलक मिलती है, जो इस श्वर्ल्ड बुक डेश पर पढ़ने के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस की किताब अनफिनिश्ड उनकी एक प्रेरणादायक आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन और करियर की यात्रा साझा की है। इसमें उनके बचपन, संघर्षों और हॉलीवुड तक के सफर की दिलचस्प झलक मिलती है। प्रियंका ने अपने अनुभवों, असफलताओं और सफलताओं को बेहद ईमानदारी से पेश किया है। यह किताब सिखाती है कि अधूरी कहानियाँ ही हमें आगे बढ़ने की ताकत देती हैं।

ट्विंकल खन्ना की मिसेस फनीबोन्स, एक हल्की–फुल्की और मजेदार किताब है, जिसमें उनकी हाज़िरजवाबी के साथ उनके मज़ेदार विचार झलकते हैं। इसमें उन्होंने अपने रोज़मर्रा के अनुभवों को व्यंग्य और ह्यूमर के साथ पेश किया है। ट्विंकल की लिखावट में एक अलग ही चार्म और ईमानदारी नजर आती है। यह किताब पाठकों को हंसाते हुए जिंदगी को नए नजरिए से देखने की प्रेरणा देती है।

शिल्पा शेट्टी की द ग्रेट इंडियन डाइट, स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार पर आधारित है। इसमें भारतीय खाने के ज़रिए फिट और एनर्जेटिक रहने के आसान तरीके बताए गए हैं। किताब में डाइट प्लान, न्यूट्रिशन टिप्स और हेल्दी आदतों पर खास जोर दिया गया है। यह पाठकों को सही खान–पान अपनाकर बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

कल्कि कोचलिन की किताब ए प्ले इन मैडनेस एक अनोखा नाटक संग्रह है, जिसमें उनकी रचनात्मकता और गहराई झलकती है। इसमें मानसिकता, रिश्तों और समाज से जुड़े जटिल पहलुओं को संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कल्कि की लेखन शैली साहसी और अलग सोच को दर्शाती है। यह किताब पाठकों को नई दृष्टि से सोचने और समझने के लिए प्रेरित करती है।

कुब्रा सैत की किताब ओपन बुकरू नॉट क्वाइट ए मेमॉयर, एक बेबाक और भावनात्मक सफर को बयान करती है। इसमें उन्होंने अपनी ज़िंदगी के कठिन अनुभवों, संघर्षों और आत्म–खोज को खुलकर साझा किया है। कुब्रा ने बिना झिझक अपनी सच्चाई और कमजोरियों को स्वीकार किया है। यह किताब खुद को समझने और अपनी कहानी को अपनाने की ताकत देती है।

सोहा अली खान की किताब द पेरिल्स ऑफ बिंग मॉडरेटली फेमस, एक मजेदार और आत्म–चिंतन से भरी आत्मकथा है। इसमें उन्होंने अपने परिवार, करियर और निजी जिंदगी के अनुभवों को हल्के–फुल्के अंदाज़ में साझा किया है। सोहा की लिखावट में ह्यूमर और ईमानदारी का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है।यह किताब पहचान, प्रसिद्धि और खुद की जगह तलाशने की कहानी को दिलचस्प तरीके से पेश करती है।

नीना गुप्ता की किताब सच कहूँ तो, बेबाक और सच्ची आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन के उतार–चढ़ाव खुलकर साझा किए हैं। इसमें उनके करियर, रिश्तों और संघर्षों की अनकही कहानियाँ सामने आती हैं। साथ ही इसमें नीना गुप्ता ने बिना लाग–लपेट अपने फैसलों और अनुभवों पर ईमानदारी से बात की है। यह किताब पाठकों को प्रेरित करती है कि अपनी सच्चाई को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी ताकत है।